दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित >>> दिल्ली >>> गाजियाबाद >>> नोएडा >>> ग्रेटर नोएडा >>> हापुड़ >>> अमरोहा >>> बागपत >>> मेरठ >>> मुजफ्फर नगर >>> बिजनौर >>> मुरादाबाद >>> बुलंदशहर >>> अलीगढ़ >>> फरीदाबाद >>> गुड़गांव >>> सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

गुरुवार 01 मई 2025

सुर्योदय प्रातः 05 :41 बजे

सूर्यास्त सांय 18 : 57 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 बेतुके बयानों से बचें एवं राजनीतिक सहमति कायम रखें

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 195 | गाजियाबाद, गुरुवार 01 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 | CBDC | Paytm
Cred | PhonePe | Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

पीएम मोदी का दक्षिण भारत दौरा, कई परियोजनाओं की देंगे सौगात

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री 1 और 2 मई को महाराष्ट्र, केरल और आंध्र प्रदेश का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी मुंबई में विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा, केरल में एक समुद्री परियोजना 'विझिनजाम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह' राष्ट्र को समर्पित करेंगे। साथ ही आंध्र प्रदेश में कई सड़क और रेल परियोजनाओं का उद्घाटन और आधारशिला रखेंगे। जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 मई को मुंबई जाएंगे और सुबह करीब 10:30 बजे विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे केरल जाएंगे और 2 मई को सुबह करीब 10:30 बजे विझिनजाम इंटरनेशनल डीप वाटर मल्टीपर्पज बंदरगाह राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर वे यहां उपस्थित लोगों को संबोधित भी करेंगे।

राजनाथ सिंह रूस की 'विक्टरी डे' परेड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नौ मई को रूस की 'विक्टरी डे' परेड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी पर सोवियत विजय की 80वीं वर्षगांठ पर यह परेड आयोजित की जाएगी। रूस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मॉस्को में आयोजित होने वाली परेड के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन भारत ने रूस को बताया कि सिंह इसमें शामिल होंगे।

पंजाब किंग्स ने चेन्नई को उसी के घर में दी चार विकेट से पटखनी

✷ वेबवार्ता. चेन्नई ✷

युजवेंद्र चहल (चार विकेट), अर्शदीप सिंह और मार्को यानसन (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद श्रेयस अय्यर (72) और प्रभसिमरन सिंह (54) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत पंजाब किंग्स ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 49वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को उसी के घर में चार विकेट से पटखनी दी।

191 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स के लिए प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े। पांचवें ओवर में खलील अहमद ने प्रियांश आर्य 15 गेंदों में 23 रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान श्रेयस अय्यर ने प्रभसिमरन सिंह के साथ दूसरे विकेट के लिए 72 रन जोड़े। 13वें ओवर में नूर अहमद ने प्रभसिमरन सिंह को आउट कर इस साझेदारी को अंत किया।

प्रभसिमरन सिंह ने 36 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (54) रन बनाये। इसके बाद नेहाल वढेरा (पांच) रन बनाकर आउट हुये। चौथे विकेट के रूप में शशांक सिंह 12 गेंदों में (23) रन बनाकर आउट हुये। 19वें ओवर में मतीशा पतिराना ने श्रेयस अय्यर को बोल्ड कर चेन्नई को पांचवी सफलता दिलाई। श्रेयस अय्यर ने 41 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए (72) रनों की पारी खेली। सूर्यांश शेडगे (एक) रन बनाकर आउट हुये। पंजाब किंग्स ने 19.4 ओवर में छह विकेट पर 194 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए रवींद्र जडेजा, नूहर अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। मतीशा पतिराना और खलील अहमद को दो- दो विकेट मिले।

इससे पहले आज यहां पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया है। बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 22 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। शेख रशीद (11) और आयुष म्हात्र (सात) रन बनाकर आउट हुये। चेन्नई सुपर किंग्स का तीसरा विकेट रवींद्र जडेजा (17) के रूप में गिरा। डेवाल्ड ब्रेविस 26 गेंदों में 36 रन को ओमरजई ने 15वें ओवर की पहली गेंद पर बोल्ड आउट किया।

172 के स्कोर पर मार्को यानसन ने सैम करन को जॉश इंग्लिस के हाथों कैच आउट कराकर चेन्नई के बड़ा स्कोर खड़ा करने की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया। सैम करण ने 47 गेंदों में नौ चौके और चार छक्के लगाते हुए (88) रनों की पारी खेली। इसके बाद यजुवेंद्र चहल ने चेन्नई के लगातार चार विकेट झटक दिये। महेन्द्र सिंह धोनी (11), दीपक हुड्डा (दो), अंशुल काम्बोज और नूर अहमद (शून्य) पर आउट हुये। 20वें ओवर की दूसरी गेंद पर अर्शदीप सिंह ने शिवम दुबे (11) को आउटकर चेन्नई की पारी का 190 के स्कोर पर अंत कर दिया।

मोदी सरकार की कैबिनेट ले लिया फैसला

जल्द होगी जाति जनगणना

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्र कर मोदी सरकार ने देश में जातिगत जनगणना कराने का फैसला किया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज इस बारे में पत्रकारों को जानकारी दी है। सरकार के मंत्री ने कहा कि अगली जनगणना में जातियों की भी गणना होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट मीटिंग हुई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा जातियों का इश्तेमाल वोट बैंक के लिए किया है। बता दं कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और विपक्षी पार्टियों के नेता लगातार सरकार से देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग कर रहे हैं। सरकार ने आज कांग्रेस की मांग को स्वीकार करते हुए एक फिर सिद्ध कर दिया कि राहुल गांधी को लेकर मजाक तो उड़ाया जा सकता है, लेकिन देर सबेर उनकी मांगों को मानने के लिए बाध्य भी होना पड़ता है।

राष्ट्रीय जनगणना में जाति जनगणना को शामिल करने पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'कांग्रेस सरकारों ने हमेशा जाति जनगणना का विरोध किया है। 2010 में दिवंगत डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था कि जाति जनगणना के मामले पर कैबिनेट में विचार किया जाना चाहिए।

इस विषय पर विचार करने के लिए मंत्रियों का एक समूह बनाया गया था। अधिकांश राजनीतिक दलों ने जाति जनगणना की सिफारिश की है। इसके बावजूद, कांग्रेस सरकार ने जाति का सर्वेक्षण या जाति जनगणना कराने का फैसला किया। यह अच्छी तरह से समझा जा सकता है कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने जाति जनगणना को केवल एक राजनीतिक हथियार के रूप में इश्तेमाल किया है।'

अश्विनी वैष्णव ने आगे कहा कि कुछ राज्यों ने जातियों की गणना के लिए सर्वेक्षण किए हैं। जबकि कुछ राज्यों ने यह अच्छा किया है, कुछ अन्य ने केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से गैर-पारदर्शी तरीके से ऐसे सर्वेक्षण किए हैं। ऐसे सर्वेक्षणों ने समाज में संदेह पैदा किया है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि राजनीति से हमारा सामाजिक ताना-बाना खराब न हो, सर्वेक्षण के बजाय जाति गणना को जनगणना में शामिल किया जाना चाहिए। राजनीतिक मामलों की कैबिनेट कमेटी यानी सीसीपीए ने जाति जनगणना कराने का फैसला लिया है। सीसीपीए को 'सुपर कैबिनेट' भी कहा जाता है। इसमें केंद्रीय मंत्रिमंडल के प्रमुख मिनिस्टर्स शामिल होते हैं। सीसीपीए के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल जैसे मंत्री भी सीसीपीए में शामिल हैं।

जाति जनगणना कराने का सरकार का फैसला हमारे दबाव का असर-राहुल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि जाति जनगणना करने का सरकार का फैसला सराहनीय है और यह कदम उसने हमारे इस बारे में चलाए गए अभियान की दबाव में उठाया है।

श्री गांधी ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा की सरकार ने यह फैसला कांग्रेस के गंभीरता से चलाए गए अभियान के दबाव में लिया है और उसका यह फैसला सही है जिसे कांग्रेस समर्थन करती है। यह सही फैसला है और वह सरकार के इस फैसले की तारीफ करते हैं। उन्होंने कहा कि जाति गणना पहला कदम है। इसको लेकर सही सवाल पूछे जाने चाहिए और यह जनगणना नौकरशाही रवैया से नहीं बल्कि सच मे जनता के बीच जाकर होनी चाहिए।

तेलंगाना में सरकार ने जो मॉडल जाति जनगणना के लिए अपनाया है वही तरीका केंद्र सरकार को भी अपनाना चाहिए।

उन्होंने कहा 'जाति जनगणना के लिए हमने व्यापक तरीके से अभियान चलाया था और हमारे अभियान का असर है कि उसके दबाव में सरकार ने यह फैसला लिया और हम इस फैसले का समर्थन करते हैं।

सरकार ने जाति जनगणना के हमारे विजन को स्वीकार किया है लेकिन अब उसे इसको लेकर समय सीमा भी बतानी होगी कि वह कब तक यह काम करेगी। हमने पहले ही कहा था कि जाति जनगणना करके रहेंगे और रिजर्वेशन की सीमा की 50 फ़ीसदी दीवार खत्म करेंगे।

सेनाओं की मदद के लिए रेलवे ने भी कसी कमर

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सीमा पर उत्पन्न परिस्थितियों में सशस्त्र बलों को रसद आपूर्ति के लिए लाइनें खाली रखने एवं पथ उपलब्ध कराने को लेकर रेलवे में तैयारियां जोरों पर हैं। रेलवे ने यह तैयारी पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद शुरू की है।

रेल भवन में मंगलवार शाम हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में रेलवे एवं सेना के उच्चाधिकारी शामिल हुए। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सीमापार सैन्य कार्रवाई की तैयारियों के बीच सेना ने रसद आपूर्ति, सैन्य साजो सामान एवं सैनिकों के द्रुत गति से परिवहन के लिए रेलवे से लाइनों को खाली रखने एवं मार्ग उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे ने प्रमुख सैन्य छावनियों एवं रक्षा उत्पादन इकाइयों से सामरिक बिन्दुओं तक के मार्ग से केवल आवश्यक गाड़ियों को चलाने, अतिरिक्त या कम महत्वपूर्ण गाड़ियों का राश्ता बदलने का निर्णय लिया है। इसी तरह से अनेक ज़ोनों में कम लोकप्रिय गाड़ियों को रद्द किया गया है और उनके रैक को आपात स्थिति के लिए सुरक्षित किया जा रहा है।बताया गया है कि रेलवे के दोनों समर्पित मालवहन कॉरीडोर भी सैन्य परिवहन के लिए प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा कंटेनर परिवहन के काम आने वाले मालगाड़ी रैक भी टैंकों एवं बख्तरबंद वाहनों, तोपों एवं गोला बारूद के परिवहन के लिए उपयुक्त रैक एवं कंटेनरों को भी सेना के अधिकारियों के साथ मिल कर जुटाया जा रहा है।

यह भी पता चला है कि गुजरात, राजस्थान, पंजाब एवं जम्मू कश्मीर की सीमा के अलावा बंगलादेश से लगती पश्चिम बंगाल, असम सहित पूर्वोत्तर की लाइनों को भी सैन्य परिवहन के हिसाब से तैयार रखने के निर्देश दिये गये हैं।

सिलचर से शिलांग के बीच 166 किलोमीटर लंबे गलियारे को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी

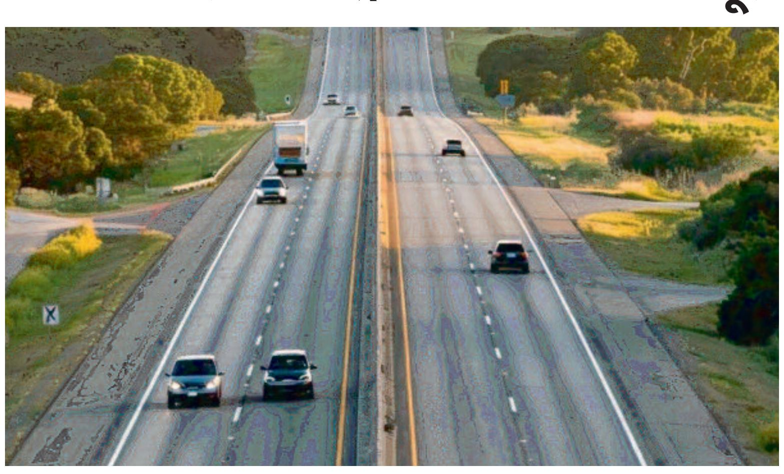

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केन्द्र सरकार ने असम के सिलचर से मेघालय के शिलांग के बीच 22 हजार 864 करोड़ रूपये की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या छह के 166.80 किलोमीटर लंबे गलियारे के हिस्से के विकास , रख रखाव और प्रबंधन के प्रशताव को बुधवार को मंजूरी दे दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की बैठक में इस आशय के प्रशताव को मंजूरी दी गयी। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। इसे हाइब्रिड एन्युटी मोड पर एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जायेगा।

इस परियोजना के तहत मेघालय में 144.80 किलोमीटर और असम में 22 किलोमीटर हिस्सा आयेगा। प्रशतावित ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर गुवाहाटी से सिलचर तक जाने वाले यातायात के लिए सेवा श्तर में सुधार करेगा। इस कॉरिडोर के विकास से मुख्य भूमि और गुवाहाटी से त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर और असम के बराक घाटी क्षेत्र की कनेक्टिविटी में सुधार होगा और यात्रा की दूरी और यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा।

यह गलियारा असम और मेघालय के बीच संपर्क में सुधार करेगा और मेघालय में उद्योगों के विकास सहित आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा, क्योंकि यह मेघालय के सीमेंट और कोयला उत्पादन क्षेत्रों से होकर गुजरता है। यह गलियारा गुवाहाटी हवाई अड्डे, शिलांग हवाई अड्डे, सिलचर हवाई अड्डे (मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग-06 के माध्यम से) से आने वाले राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को सेवा प्रदान करेगा, जो गुवाहाटी को सिलचर से जोड़ता है। यह पूर्वोत्तर में पर्यटकों के आकर्षण के सुंदर स्थानों को जोड़ेगा और पर्यटन को बढ़ावा देगा। यह महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना गुवाहाटी, शिलांग और सिलचर के बीच अंतर-शहर संपर्क में सुधार करेगी, जो री भोई, पूर्वी खासी पहाड़ियों, पश्चिम जैंतिया पहाड़ियों, मेघालय में पूर्वी जैंतिया पहाड़ियों और असम में कछार जिले से होकर गुजरती है।

शिलांग-सिलचर कॉरिडोर क्षेत्रीय आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे गुवाहाटी, शिलांग, सिलचर, इंफाल, आइजोल और अगरतला के बीच कनेक्टिविटी में सुधार होगा। यह परियोजना सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो रोजगार के अवसर पैदा करने के साथ साथ बुनियादी ढांचे को बढ़ाती है और मेघालय, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है।

पहलगाम के दोषियों को कड़ी सज़ा देना ज़रूरी : राहुल गांधी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि पहलगाम में क्रूर नरसंहार के दोषियों के खिलाफ सरकार को सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें कड़ी सजा देनी होगी और सरकार जो भी कदम उठाएगी पूरा विपक्ष उसके साथ खड़ा रहेगा।

श्री गांधी ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार को पूरी ताकत के साथ इस हमले के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर सख्त सजा देनी है ताकि भविष्य में वे भारत के खिलाफ किसी घटना को अंजाम देने के बारे में कभी गलती से भी सोच ना सकें। उनका कहना था कि इस हमले में मारे गए नागरिकों को शहीद का दर्जा देकर सम्मानित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, "मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता कि यह कैसे हुआ। मैं इतना कहना चाहता हूं कि जिन्होंने यह अपराध किया है, चाहे वे कोई भी हो और जहां भी है, उन्हें इसकी उचित कीमत चुकानी होगी। आधे-अधूरे मन से नहीं बल्कि शक्ति से कदम उठाना है ताकि उन्हें याद रहे कि भारत के साथ ऐसा नहीं किया जा सकता। विपक्ष और सरकार की बैठक में हमने स्पष्ट रूप से और एकमत से कहा है कि जो हुआ है वह स्वीकार्य नहीं है। पूरा विपक्ष सरकार को अपना 100 प्रतिशत समर्थन देगा और अब भी पूरा समर्थन दे रही है।" श्री गांधी ने कहा, " मोदी को कार्रवाई करनी होगी। पूरा विपक्ष उनके साथ खड़ा है। जिन्होंने यह किया है, उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। शोक संतप्त परिवारों ने मेरे माध्यम से प्रधानमंत्री को संदेश दिया है और कहा है कि उनके बच्चे शहीद हो गए हैं और प्रधानमंत्री को उन्हें 'शहीदों' का दर्जा और सम्मान देना चाहिए।"

मध्यस्थता फैसलों को संशोधित कर सकती हैं अदालत : सुप्रीम कोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि अदालत मध्यस्थता फैसलों को संशोधित कर सकती हैं। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने 4:1 के बहुमत से यह फैसला दिया।

न्यायालय का 190-पृष्ठ का निर्णय 20 फरवरी, 2024 को तीन न्यायाधीशों की पीठ द्वारा संदर्भित किए जाने पर आया। मुख्य न्यायाधीश खन्ना और न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति संजय कुमार तथा न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने कहा कि मध्यस्थता और सुलह अधिनियम 1996 की धारा 34 और 37 के तहत न्यायालय के पास मध्यस्थता फैसलों को संशोधित करने की सीमित शक्ति है।

शीर्ष अदालत का यह निर्णय मुख्य न्यायाधीश द्वारा लिखा गया। न्यायमूर्ति गवई, न्यायमूर्ति कुमार और न्यायमूर्ति मसीह ने उनके निर्णय का समर्थन किया, जबकि न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन ने असहमति वाला फैसला सुनाया। बहुमत के फैसले में पीठ यह भी कहा कि न्यायालय कुछ परिस्थितियों में मध्यस्थता के फैसलों के बाद के हित को संशोधित कर सकता है और बहुत सावधानी और सतर्कता के साथ संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत शक्ति का प्रयोग कर सकता है। न्यायालय ने बहुमत के फैसले में कहा कि इस तरह की शक्ति का प्रयोग तब किया जा सकता है जब मध्यस्थता फैसल अलग करने योग्य हो, 'अमान्य' हिस्से को 'वैध' हिस्से से अलग करके, और किसी भी लिपिकीय, गणना संबंधी या टाइपोग्राफिकल त्रुटियों को ठीक करके जो रिकॉर्ड के सामने गलत दिखाई देती हैं। पीठ ने कहा, "हम मानते हैं कि कानूनी विवाद के महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं। प्रस्तुत तर्क एक ओर समानता और न्याय के बीच लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष और दूसरी ओर न्यायालय की अधिकारिता सीमाओं द्वारा लगाए गए बंधनों का प्रतीक हैं।"

पीठ ने कहा, "अदालतों को किसी निर्णय को संशोधित करने के अधिकार से वंचित करना (विशेष रूप से जब ऐसा इनकार महत्वपूर्ण कठिनाइयों को लागू करेगा, लागत बढ़ाएगा और अनावश्यक देरी की ओर ले जाएगा) मध्यस्थता के अशितत्व के उद्देश्य को पराजित करेगा। यह चिंता विशेष रूप से भारत में स्पष्ट है, जहां धारा 34 के तहत आवेदन और धारा 37 के तहत अपील को हल करने में अक्सर वर्षों लग जाते हैं।"

शीर्ष अदालत ने कहा कि मध्यस्थ निर्णय को रद्द करने का अधिकार अनिवार्य रूप से इसे पूरी तरह से नहीं बल्कि आंशिक रूप से रद्द करने की शक्ति को शामिल करता है।

न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन ने हालांकि, कहा कि अधिनियम की धारा 34 के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए और परिणामस्वरूप अपीलीय पदानुक्रम में न्यायालयों के पास मध्यस्थ फैसले को संशोधित करने की शक्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि संशोधन और पृथक्करण दो अलग-अलग अवधारणाएँ हैं, जबकि धारा 34 के तहत संशोधन की अनुमति नहीं है, धारा 34 के तहत शक्तियों के प्रयोग में धारा 34 के उल्लंघन में आने वाले मध्यस्थ फैसलों को पृथक करने की अनुमति है। पृथक्करण की ऐसी शक्ति धारा 34 न्यायालय के लिए अपीलीय पदानुक्रम में न्यायालयों को भी उपलब्ध है।

उन्होंने अपनी असहमति में कहा कि रद्द करने की शक्ति में संशोधन करने की शक्ति शामिल नहीं होगी, क्योंकि संशोधित करने की शक्ति रद्द करने की शक्ति में शामिल कम शक्ति नहीं है और रद्द करने की शक्ति और संशोधित करने की शक्ति एक ही स्थिति से उत्पन्न नहीं होती हैं और अधिनियम के संदर्भ में गुणात्मक रूप से भिन्न शक्तियाँ हैं।

न्यायालय के समक्ष प्रश्न यह थे कि यदि भारतीय न्यायालयों को मध्यस्थ फैसलों को संशोधित करने का अधिकार है, तो किस सीमा तक? विशेष रूप से, मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996, न्यायालयों को मध्यस्थ पुरस्कार को संशोधित करने या उसमें बदलाव करने का स्पष्ट रूप से अधिकार नहीं देता है।

एनसीआर टुडे

गाजियाबाद, गुरुवार 01 मई 2025

संक्षिप्त समाचार

गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुले, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़; चारधाम यात्रा का हुआ श्रीगणेश

उत्तर काशी, एजेंसी। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट आज अक्षय तृतीय के पावन पर्व पर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। कपाटोद्धघाटन के मौके पर पूरा क्षेत्र हर-हर-गंगे की जयकारों से गूंज उठा। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा का आगाज हो गया है। विश्वा प्रसिद्ध गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट अक्षय तृतीय के पावन पर्व पर श्रद्धालुओं दर्शन के लिए खोल दिए गए। अब निरंतर छह माह तक गंगोत्री धाम मां गंगा के दर्शन करेंगे। बुधवार सुबह 10 बजकर 30 मिनट के अभिजीत मुहूर्त पर श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए गंगोत्री धाम के कपाट खोले गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से पहली पूजा की गई। कपाटोद्धघाटन के मौके पर समूचा गंगोत्री धाम मां गंगे के जयकारो से गूंज उठा। इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गंगोत्री धाम पहुंचकर मां गंगा के दर्शन किए। यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट खुलते ही उत्तराखंड में चार धाम यात्रा श्री गणेश हो गया है। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। चप्पे-चप्पे पर आतंकवाद निरोधक दस्ता, अर्धसैनिक बल और पुलिस के जवानों की नजर रहेगी। यात्रियों की सुरक्षा के लिए 10 कंपनी पैरामिलिट्री, 17 कंपनी पीएसी के साथ ही 10 स्थानों पर आतंकवाद निरोधक दस्ता तैनात रहेगा। 65 स्थानों पर एसडीआरएफ की टीमें तैनात रहेंगी। यात्रियों की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार की ओर से 10 कंपनी पैरामिलिट्री फोर्स उपलब्ध कराई जा रही है जो जल्द ही मिल जाएंगी। वहीं पीएसी की 17 कंपनी और छह हजार पुलिसकर्मियों की ड्यूटी चारधाम यात्रा में लगाई गई है। पूरे यात्रा रूट को ड्रोन से कवर किया जाएगा। 2000 सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से यात्रा रूट पर सुरक्षा और यातायात की निगरानी की जाएगी। अलग-अलग क्षेत्रों से कंट्रोल रूम में फीड आ रहा है।

महिला संबंधी विषयों पर अभाविप के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के एक प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मुलाकात कर महिलाओं एवं छात्राओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर एक 13 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन 10 मार्च 2025 को नई दिल्ली में आयोजित छात्रा संसद में देशभर से आए 300 से अधिक छात्रा प्रतिनिधियों द्वारा विस्तृत की गई विस्तृत चर्चा एवून संवाद के आधार पर तैयार किया गया है। इस संसद में शिक्षाए सुरक्षाए स्वास्थ्यए स्वच्छताए आत्मरक्षाए आर्थिक सहायताए लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण जैसे प्रमुख विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। उसी चर्चा के निष्कर्षस्वरूप यह ज्ञापन तैयार कर भारत सरकार को प्रस्तुत किया गया हैए ताकि महिलाओं और छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए नीतिगत स्तर पर प्रभावी पहल की जा सके। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉण् वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहाए ष्देश की छात्राएं और महिलाएं न केवल वर्तमान भारत की रीढ़ हैंए बल्कि भविष्य के भारत की दिशा भी निर्धारित करती हैं। शिक्षा परिसरों से लेकर समाज के हर क्षेत्र में उनकी सुरक्षाए सम्मान और सशक्तिकरण सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिक ज़िम्मेदारी है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का यह 13 सूत्रीय ज्ञापन केवल मांगों की सूची नहींए बल्कि छात्राओं की ज़मीनी चुनौतियों का प्रतिबिंब और उनके समाधान का ठोस खाका है। हम अपेक्षा करते हैं कि केंद्र सरकार इन सुझावों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र अति शीघ्र प्रभावी कदम उठाएगी।

सैनिकों ने हर बार पाकिस्तान सेना को दिया कड़ा जवाब

गुवाहाटी, एजेंसी। एलओसी पर पाकिस्तान की ओर से लगातार हो रही गोलीबारी पर भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई की सीएम ने सराहना की।उन्होंने एक्स पर लिखा कि जब भी पाकिस्तान ने भारत की एकता और अखंडता को चुनौती देने का दुस्साहस किया, हमारे सैनिकों ने साहस के साथ उस अवसर पर खड़े होकर दुश्मन को निर्णायक रूप से पराजित किया और भारत के गौरव को कायम रखा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भारतीय सेना के साहस और जज्बे की सराहना की। उन्होंने कहा कि जब-जब पाकिस्तान ने भारत की एकता और अखंडता को चुनौती देने का दुस्साहस किया, तब-तब भारतीय सैनिकों ने साहस के साथ दुश्मन को हराया और देश का गौरव बरकरार रखा। इसके अलावा उन्होंने बेबुनियाद आरोप लगाने पर कांग्रेस को भी घेरा। एलओसी पर पाकिस्तान की ओर से लगातार हो रही गोलीबारी पर भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई की सीएम ने सराहना की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भारत-पाकिस्तान युद्धः भारतीय वीरता और

विजय की विरासत। स्वतंत्रता के बाद से भारत की बहादुर सशस्त्र सेनाएं बार-बार पाकिस्तानी आक्रमण के खिलाफ हमारे देश की संप्रभुता की रक्षा करते हुए डटकर खड़ी रही हैं। जब भी पाकिस्तान ने भारत की एकता और अखंडता को चुनौती देने का दुस्साहस किया, हमारे सैनिकों ने साहस के साथ उस अवसर पर खड़े होकर दुश्मन को निर्णायक रूप से पराजित किया और भारत के गौरव को कायम रखा। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच लड़े गए चार युद्ध 1947-49 का भारत-पाक युद्ध, 1965 का युद्ध, 1971 का युद्ध और 1999 के कारगिल युद्ध की जानकारी दी। सरमा ने कहा कि प्रत्येक भारत-पाक संघर्ष एक स्थायी सत्य को रेखांकित करता है। जब भी भारत को आक्रमण का सामना करना पड़ा, तब हमारे सैनिक निडर, अपराजित और अपने संकल्प में अडिग रहे। साहस और बलिदान की यह विरासत प्रत्येक भारतीय नागरिक को प्रेरित करती रहेगी। सरमा ने कहा कि हमारे सशस्त्र बल सतर्क हैं और सभी परिस्थितियों में भारत की संप्रभुता और सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। जय हिंद। 1947-1949 के भारत-पाक युद्ध (प्रथम कश्मीर युद्ध) को लेकर उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान ने स्वतंत्रता के तुरंत बाद जम्मू और कश्मीर पर विश्वासघातपूर्वक आक्रमण किया, तो भारत ने त्वरित और वीरतापूर्वक जवाब दिया। हमारे सैनिकों ने श्रीनगर में ऐतिहासिक एयरलिफ्ट ऑपरेशन को अंजाम दिया, घाटी की सुरक्षा की और यह सुनिश्चित किया कि कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा बना रहे। क्षेत्रों की सफलतापूर्वक रक्षा करने और नियंत्रण रेखा (एलओसी) स्थापित करने के साथ हुआ। 1965 के भारत-पाक में पाकिस्तान ने धोखे से कश्मीर में घुसपैठ करते हुए ऑपरेशन जिब्राल्टर शुरू किया और बाद में पूर्ण पैमाने पर युद्ध में तब्दील हो गया।

बांद्रा मॉल में लगी आग का तांडव, फायर ब्रिगेड ने 22 घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के उपनगरीय बांद्रा इलाके में मंगलवार की सुबह इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के शोरूम वाली इमारत में भीषण आग लग गई, जिसके बाद आग बुझाने के लिए एनडीआरएफ को भी बुलाना पड़ा। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आग में किसी के घायल होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। आग का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

मुंबई के पॉश बांद्रा इलाके में एक मॉल में लगी भीषण आग पर 22 घंटे से अधिक समय की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया। नगर निगम के अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि बांद्रा पश्चिम में लिंकिंग रोड पर लिंक स्क्वायर मॉल के बेसमेंट में मंगलवार सुबह करीब 4.10 बजे आग लगी थी। बुधवार को दमकल कर्मियों और अन्य आपातकालीन सेवाओं की मशक्कत के बाद देर रात 1.41 बजे आग पर काबू पा लिया गया।

उन्होंने बताया कि किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। शुरू में आग इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के शोरूम तक ही सीमित थी, लेकिन जल्द ही आग ने तीन मंजिला मॉल की ऊपरी मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया। इसमें 200 से अधिक वाणिज्यिक प्रतिष्ठान और दुकानें हैं। मॉल पूरी तरह जलकर खाक हो गया। इसके बाद राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) भी अभियान में शामिल हो गया। एक नगर निगम अधिकारी ने बताया कि करीब 13 घंटे बाद दमकल विभाग ने 13 दमकल गाड़ियों और अन्य अग्निशमन वाहनों और उपकरणों की मदद से आग पर काबू पा लिया। इसके बाद इसे पूरी तरह से बुझाने के प्रयास किए गए। मुंबई दमकल विभाग के प्रमुख रवींद्र अंबुलगेकर ने पहले ही घटना की जांच का एलान कर दिया है। हालांकि, अब तक यह पता नहीं चल सका है कि आग की वजह से लगी। उन्होंने मंगलवार को पीटीआई से कहा था कि मॉल में ज्वलनशील पदार्थ भरे हुए थे और वहां पहुंचना आसान नहीं था। अंबुलगेकर ने कहा था कि बाउंड्री की वजह से आग बुझाने में दिक्कतें आ रही थीं। जालीदार शटर की वजह से आग और धुआं एक दुकान से दूसरी दुकान में फैल रहा था।

दुश्मन का समर्थन देशद्रोह, पाकिस्तान समर्थित नारेबाजी के आरोपी की हत्या पर सिद्धारमैया का बयान

बंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक के मंगलुरु में कथित तौर पर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने के आरोप में युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस मामले के प्रकाश में आते ही राज्यभर में चर्चा तेज हो गई, जिसको लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि पाकिस्तान के समर्थन में बोलना देशद्रोह है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति पाकिस्तान के पक्ष में बोलता है या पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाता है, तो यह पूरी तरह से गलत है और इसे देशद्रोह माना जाना चाहिए। यह बयान उन्होंने मंगलूरू में एक युवक की हत्या को लेकर दिया, जिस पर कथित रूप से पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने का आरोप था। जहां सिद्धारमैया ने कहा कि मामले की जांच जारी है और अभी कोई निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह साफ होगा कि किसके खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी। राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बताया कि युवक की भीड़ द्वारा हत्या की गई है और गिरफ्तार लोगों का दावा है कि मृतक ने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए थे। उन्होंने बताया कि अब तक 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और सभी से पूछताछ की जा रही है। परमेश्वर ने कहा कि मृतक की पहचान केरल के वायनाड जिले के पुलपल्ली गांव निवासी अशरफ के रूप में हुई है। पुलिस उसके मूल और परिवार से भी संपर्क कर रही है।

गृह मंत्री ने यह भी कहा कि जांच बहुत गंभीरता से की जा रही है और अगर पुलिस की ओर से कोई चूक हुई हो तो उस पर भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार इस मामले को हल्के में नहीं ले रही है। मामला संवेदनशील होने के कारण राज्य सरकार और पुलिस हर पहलू की गंभीरता से जांच कर रही है।

गाजियाबाद के 2,420 एकड़ में बसेगी सन सिटी, आवास-कॉम्प्लेक्स बनेंगे; डीपीआर को मिली मंजूरी

गाजियाबाद एजेंसी।
उत्तर प्रदेश के लखनऊ में सोमवार को हुई बैठक में उच्चस्तरीय समिति (हाई पावर कमेटी) ने सन सिटी की संशोधित डीपीआर को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत 2,420 एकड़ में आवास और कॉम्प्लेक्स बन सकेंगे। अधिकारियों के अनुसार संशोधित डीपीआर पर आपत्ति और सुझाव मांगे जाएंगे। फिर इसका प्रस्ताव जीडीए बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। वहां से स्वीकृति मिलने पर आगे का काम होगा। हाईटेक टाउनशिप नीति के तहत सोमवार को लखनऊ में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति की बैठक हुई। इसमें मैसर्स सन सिटी हाईटेक इंफ्रास्ट्रेक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड की संशोधित डीपीआर पर मंथन किया गया। जीडीए अधिकारी ने बताया कि सन सिटी द्वारा प्रस्तुत संशोधित डीपीआर 2,420 एकड़ में दी गई। प्रस्ताव पर उच्च स्तरीय समिति ने सनसिटी की हाईटेक टाउनशिप परियोजना के पुनर्निर्धारित क्षेत्रफल 2420.11 एकड़ पर मंजूरी दे दी। जीडीए अधिकारी बताते हैं कि उच्च स्तरीय समिति की मंजूरी के बाद अब इस संशोधित डीपीआर पर आपत्ति व सुझाव मांगे जाएंगे। जिनका निस्तारण करने के बाद यह संशोधित डीपीआर जीडीए बोर्ड बैठक में रखी जाएगी। वहां से मंजूरी मिलने के बाद इस योजना पर आगे काम

हो सकेगा। इस पूरी प्रक्रिया में दो से तीन महीने तक लग सकते हैं। संशोधित डीपीआर को मंजूरी मिलने के बाद बिल्डर क्षेत्र में विकास कार्य शुरू कर सकेगा। इसके बाद वहां आवासीय और व्यावसायिक योजनाएं आ सकेंगी। जानकार बताते हैं कि यदि संशोधित डीपीआर पर काम आगे बढ़ेगा तो कई लोगों को अपना घर मिल सकेगा। यहां भूखंड समेत ग्रुप हाउसिंग बनेंगी। साथ ही कॉमर्शियल सेंटर भी विकसित होंगे। इससे लाखों लोगों को रोजगार भी मिलेगा। हाईटेक सिटी नीति के तहत सनसिटी बसाने के लिए 4312 एकड़ जमीन पर डीपीआर स्वीकृत की गई थी, लेकिन बिल्डर किसानों से जमीन नहीं खरीद पाया। इसके बाद साल 2021 में 4312 एकड़ के बजाए 828 एकड़ जमीन पर संशोधित डीपीआर का प्रस्ताव पेश किया गया। इस जमीन में 372 एकड़ जमीन वह है, जो जीडीए द्वारा बिल्डर को अधिग्रहण और पुर्नग्रहण के जरिये मुहैया कराई गई है। इस तरह संशोधित डीपीआर के क्षेत्रफल में 46 प्रतिशत वह जमीन शामिल थी जो पुर्नग्रहण और अधिग्रहण के जरिये मिली। इसीलिए कई माह पूर्व जीडीए बोर्ड ने संशोधित डीपीआर को निरस्त करने का निर्णय लिया गया था। सनसिटी को मिली 372 एकड़ जमीन को कुल डीपीआर के क्षेत्रफल के अनुपात में 25 प्रतिशत लाने के लिए डीपीआर का क्षेत्रफल बढ़ाने की शर्त लगाई गई।

चायोस, कैसल बारबेक्यू सहित 5 रेस्टोरेंट को नोटिस, दिल्ली हाईकोर्ट का नहीं माना यह आदेश; क्या है मामला

नईदिल्ली, एजेंसी।
केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने दिल्ली हाईकोर्ट के हालिया फैसले के बावजूद सेवा शुल्क वापस न करने के आरोप में राजधानी में संचालित पांच रेस्तरां के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है। प्राधिकरण ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत मखना डेली, जीरो कोर्टयार्ड, कैसल बारबेक्यू, चायोस और फिएस्टा बाय बारबेक्यू नेशन को नोटिस जारी किया है। प्राधिकरण ने कहा कि यह कार्रवाई उसके उपभोक्ता हेल्पलाइन पोर्टल पर शिकायतों के बाद की गई।

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा, राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (1915) पर मिली शिकायतों के जरिए सीसीपीए के संज्ञान में आया कि शिकायतें दर्ज की गई थीं, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कुछ रेस्तरां उपभोक्ताओं से पूर्व सहमति प्राप्त किए बिना अनिवार्य सेवा शुल्क लगाना जारी रख रहे हैं, जिससे उपभोक्ता अधिकारों की अवहेलना होती है और उपभोक्ता संरक्षण

अधिनियम, 2019 के अनुसार अनुचित व्यापार प्रथाओं में लिप्त होते हैं।

सीसीपीए अधिकारियों ने कहा कि इस कार्रवाई का मकसद रेस्तरां या होटलों में सेवाओं का लाभ उठाते समय उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त राशि का भुगतान करने के लिए पड़ने वाले अनुचित दबाव को कम करना है। यह एक विवादास्पद मुद्दा है जो कानूनी मामला बन गया है और इसका रेस्तरां और होटलों द्वारा इसका कड़ा विरोध किया जा रहा है।

बयान में कहा गया है, केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने पांच रेस्तरां - मखना डेली, जीरो कोर्टयार्ड, कैसल बारबेक्यू, चायोस और फिएस्टा बाय बारबेक्यू नेशन के खिलाफ माननीय दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के बावजूद अनिवार्य सेवा शुल्क वापस न करने को लेकर स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है। जुलाई 2022 में सीसीपीए ने होटलों और रेस्तरां में सेवा शुल्क के संबंध में अनुचित व्यापार प्रथाओं पर अंकुश लगाने और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे। इस साल मार्च में दिल्ली हाईकोर्ट ने सेवा शुल्क पर सीसीपीए के दिशानिर्देशों को बरकरार रखा।

प्रधानमंत्री मोदी ने अक्षय तृतीया की शुभकामनाएं दींए भगवान बसवेश्वर को याद किया

नई दिल्ली, एजेंसी।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सवेरे देशवासियों को अक्षय तृतीया की शुभकामनाएं दीं। इसी के साथ बसव जयंती के शुभ अवसर पर जगद्गुरु बसवेश्वर का पुण्य स्मरण किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस संबंध में दो अलग.अलग संदेश एक्स पर जारी किए।

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखाए श्श् आप सभी को अक्षय तृतीया की अनंत शुभकामनाएं। मानवता को समर्पित यह पावन पर्व हर किसी के लिए सफलताए संपन्नता और प्रसन्नता लेकर आएए जो विकसित भारत के संकल्प को नई शक्ति प्रदान करे। श्श् प्रधानमंत्री ने दूसरे संदेश में लिखाए श्श् बसव जयंती के शुभ अवसर पर हम जगद्गुरु बसवेश्वर के गहन ज्ञान को याद करते हैं। समाज के प्रति उनका दृष्टिकोण और हाशिए पर पड़े लोगों के उत्थान के लिए उनके अथक प्रयास आज भी हमारा मार्गदर्शन करते हैं।श्श

उल्लेखनीय है कि वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया कहा जाता है। इस दिन सूर्य और चन्द्रमा दोनों ही अपनी उच्च राशि में स्थित होते हैं। अतः दोनों की सम्मिलित कृपा का फ्ल अक्षय हो जाता है। अक्षय का अर्थ होता है जिसका क्षय न हो। माना जाता है कि इस तिथि को किए गए कार्यों के परिणाम का क्षय नहीं होता। अन्य कुरीतियों के खिलाफसंघर्ष करने के लिए जाना जाता है। उन्हें विश्व गुरुए भक्ति भंडारी और बसव भी कहा जाता है। उन्होंने लिंगए जातिए सामाजिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी लोगों को बराबर अवसर देने की बात कही।

केरल सीएम के पूर्व मुख्य प्रधान सचिव के खिलाफ नहीं होगी सीबीआई जांच, आय से अधिक संपत्ति मामले में सुप्रीम रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। आय से अधिक संपत्ति मामले में केरल उच्च न्यायालय ने 11 अप्रैल को कोट्टायम निवासी जोमन पुथेनपुरकल की याचिका पर केरल सीएम पी विजयन के पूर्व मुख्य सचिव केएम अब्राहम के खिलाफ सीबीआई जांच का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश पर रोक लगा दी है। केरल सीएम पी विजयन के पूर्व मुख्य सचिव केएम अब्राहम के खिलाफ अब सीबीआई जांच नहीं होगी। आय से अधिक संपत्ति के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य प्रधान सचिव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और जांच शुरू करने के सीबीआई को निर्देश देने वाले केरल हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी और मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव केएम अब्राहम की ओर से दायर अपील पर सीबीआई, केरल सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया। अब्राहम की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर बसंत ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर, कानून की धारा 17ए के तहत अनिवार्य मंजूरी के बिना दर्ज नहीं की जा सकती।

फरीदाबाद में पुलिस टीम पर हमला, कार से कुचलने की कोशिश; गाड़ी रोकने पर भड़के युवक

फरीदाबाद एजेंसी।
फरीदाबाद सेक्टर-12 स्थित एक मॉल के पास सोमवार शाम वाहनों की जांच कर रही पुलिस टीम पर कार सवार पांच युवकों ने जानलेवा हमला कर दिया। साथ ही कार से कुचलने का प्रयास किया और हाथापाई की। इसमें एक पुलिसकर्मी को चोट आई है। मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस के अधिकारियों के अनुसार शिकायत मिलने के बाद सेंट्रल थाना में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

आरोपियों के हमले में घायल पुलिस कर्मी की पहचान कृष्ण कुमार के रूप में हुई है। वह ईआरवी ईआरवी 176, डायल 112 के इंचार्ज हैं। उन्होंने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया है कि सोमवार की शाम वह एसपीओ भूरा सिंह के साथ सेक्टर-12 स्थित पेबल डाउन टाउन मॉल चौक पर वाहनों की जांच कर रहे थे। इस दौरान संदिग्ध पाए जाने पर वाहनों को रोककर जांच कर रहे थे। उसी समय

एल्डिको मॉल कि तरफ से तेज रफ्तार में आ रही एक कार को रुकने का ईशारा किया गया। लेकिन चालक कार को न रोककर पुलिस की टीम को कुचलने का प्रयास करते हुए पुलिस की गाड़ी में टक्कर मार दी और भागने लगे। इसके बाद उसे खदेड़कर रोका गया। कार में करीब पांच युवक सवार थे। कार रूकते ही सभी युवक कार से उतरे और शिकायतकर्ता कृष्ण कुमार और एसपीओ भूरा सिंह के साथ हाथापाई करने लगे। लोगों के सामने युवकों ने वर्दी को पकड़कर खींचते हुए गाली गलौज शुरू कर दी।

शिकायतकर्ता के अनुसार जिस समय युवक उनसे हाथापाई कर रहे थे, उस समय यातायात पुलिस के सब इंस्पेक्टर सूबे सिंह वहां से गुजर रहे थे। वह हाथापाई देखकर रुक गए। साथ ही अपने मोबाइल फोन से घटना की विडियो बनाने लगे। यह देखकर सभी युवक उनके साथ भी हाथापाई की और उनसे मोबाइल फोन छीनने का प्रयास किया। आरोपियों से हाथापाई में उनके शरीर में तीन जगह चोट आई है। हाथ, छाती व अन्य जगह पर चोट लगी। उनका बीके अस्पताल में उपचार किया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार उन्होंने कार को रोकने के बाद उसमें सवार युवकों से कागजात आदि दिखाने को कहा और उन्हें समझाया।

बाइक की टक्कर से युवक घायल

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मेरठ के गांव ढिढाला निवासी नकुल ने बताया कि बुधवार को वह ऑटो से मोदीनगर की ओर आ रहा था। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर गोविन्दपुरी पुलिस चौकी के पास ऑटो से उतरते वक्त तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदश्त थी कि वह कई फीट उछलकर काफी दूर जा गिरे। गंभीर हालत में उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर बाइक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

ऑटो सवार युवती से मोबाइल झपटा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। थाना लोनी बार्डर क्षेत्र स्थित दिल्ली सहारनपुर रोड पर बाइक सवार दो बदमाशों ने ऑटो में जा रही युवती का मोबाइल झपट लिया। पीड़िता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। थाना लोनी की न्यू विकास नगर कालोनी निवासी वीरेंद्र ने बताया कि सोमवार को बेटी दीक्षा किसी कार्य से ऑटो से शाहदरा दिल्ली जा रही थी। जब ऑटो दिल्ली सहारनपुर रोड स्थित निजी अस्पताल के सामने पहुंचा तो उसके मोबाइल पर काल आया। वह बात करने लगी तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने बेटी से झपट लिया और लाल बाग कालोनी की ओर भाग गए। बेटी के शोर मचाने तक बाइक सवार बदमाश दूर तक निकल चुके थे। उन्होंने बताया कि बेटी की ऑनलाइन क्लास चलती है। इसी के चलते बेटी को मोबाइल दिलाया था। उन्होंने पुलिस से मामले की शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

बेलगाम ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर, घायल

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के ट्रोनिका सिटी थाना के औद्योगिक क्षेत्र स्थित गेट नंबर दो के पास ट्रक ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार युवक के पैर में गंभीर चोट आई है। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर चालक की तलाश में जुटी है। दिल्ली शाहदरा के राम नगर कालोनी निवासी साहिल गर्ग ने बताया कि उनका भाई हर्षित गर्ग ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र स्थित टेक्सटाइल कंपनी में नौकरी करता है। मंगलवार दोपहर वह बाइक पर औद्योगिक क्षेत्र स्थित गेट नंबर दो से अंदर जा रहा था। तभी पीछे से तेज गति में आ रहे ट्रक ने भाई की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से भाई के पैर में गंभीर चोटें आई। घटना के बाद चालक ट्रक समेत फरार हो गया। भाई ने राहगीरों की मदद से पुलिस और परिजनों को सूचना देकर घायल को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में परिजनों ने चिकित्सक के कहने पर घायल को वैशाली स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां घायल का उपचार जारी है। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़ित के भाई की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

डेबिट कार्ड बदलकर खाते से 50 हजार रुपये निकाले

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के गांव तिबड़ा निवासी अमित कुमार ने बताया कि बुधवार को वह दिल्ली-मेरठ मार्ग पर बस स्टैंड के पास एटीएम से पैसे निकालने गया था। वहां दो युवक पहले से मौजूद थे। आरोप है कि युवकों ने गुमराह कर उसका डेबिट कार्ड बदल दिया। जब अमित अपने घर पहुंचे तो उनके मोबाइल पर खाते से रकम निकलने के मैसेज आने लगे। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने खाते से 50 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ति ने मोदीनगर थाने में तहरीर दी है।

मामूली बात पर घर में घुसकर मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के गांव अमीरपुर गढ़ी निवासी अमित कुमार ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले सुरेश पाल से मामूली बात पर विवाद हो गया था। इससे नाराज होकर पड़ोसियों ने सोमवार रात को घर में घुसकर अमित की बेरहमी से पिटाई कर दी। पीड़ित ने थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर सुरेशपाल, भारत चौधरी, आदेश, हिमांशु और नितिन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

हजारों की नकदी और आभूषण चुराए

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। अंकुर विहार थाना क्षेत्र स्थित हयात कालोनी में दो दिन पूर्व चोरों ने एक घर का ताला तोड़कर अलमारी में रखी 15 हजार की नकदी व सोने, चांदी के आभूषण चुरा लिए। घटना के समय पीड़ति परिवार समेत रिश्तेदारी में गया हुआ था। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश में जुटी है। हयात एनक्लेव कालोनी निवासी नितेश कुमार ने बताया कि वह दिल्ली जल बोर्ड में नौकरी करते है। करीब 15 वर्षों से परिवार समेत ग्रोथ इंडिया बिल्डिंग की पहली मंजिल स्थित मकान में पत्नी और दो बच्चों के साथ रहते है। वह शनिवार को परिवार समेत अपनी ससुराल रिश्तेदारी में गए थे। आरोप है कि सोमवार रात करीब 12 बजे जब वह घर पहुंचे तो देखा कि मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था। अंदर सारा सामन अश्त व्यश्त पड़ा था। बेडरूम में रखी अलमारी के लाकर का ताला टूटा हुआ था। उन्होंने बताया कि चोर घर से 15 हजार की नकदी, कागजात, एक मोबाइल और सोने का कड़ा, मंगलसूत्र, कान के झुमके, नाक की लॉग, हीरे कही अंगूठी समेत चांदी के आभूषण चुरा कर ले गए। पड़ोस में रहने वाले लोगों ने बताया कि देर रात घर से खटपट की आवाजें आ रही थी। उन्होंने सोचा कि संभवत आप लोग लौट आए है इसीलिए बाहर नहीं आए। पीड़ति ने मामले की शिकायत पुलिस से की है।

बारात में डांस को लेकर मारपीट, कई घायल

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

गांव महमदपुर बुजुर्ग में बारात में डांस को लेकर बाराती आपस में भिड़ गए। मारपीट होने पर हड़कंप मच गया।मारपीट में दो लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार नहटौर क्षेत्र के गांव हरपुर निवासी योगेश की बारात बुधवार को नहटौर क्षेत्र के गांव महमूदपुर बुजुर्ग में गई थी। बताया जाता की बारात चढ़त के दौरान डांस करने को लेकर बाराती आपस में ही भिड़ गए और आपस में मारपीट शुरू होने से बारात में हड़कंप मच गया।

मारपीट के दौरान अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया। बारात चढ़त के दौरान बारातियो में आपस में मारपीट होने से लोग इधर उधर हो गए। मारपीट कुछ लोगों ने मौके पर पहुंचकर बीच बचाव कराया। मारपीट में धर्मेंद्र पुत्र रंजीत व एक अन्य अजय कुमार घायल हो गया। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। मामले की शिकायत पुलिस से की गई है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। थाना अध्यक्ष का कहना है कि जांच की जा रही है।

ट्रैक्टर ट्राली तथा बाइक की टक्कर में बाइक सवार घायल

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

कोतवाली देहात मार्ग पर ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के पास ट्रैक्टर ट्राली व बाईक की भिड़ंत में एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।उसे सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से उसकी हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रैफर किया गया है। जानकारी के अनुसार नहटौर क्षेत्र के गांव नरगदी गंधु निवासी आकाश पुत्र जयपाल बाइक से आ रहा था। इसी दौरान बुधवार के सांय करीब 6:00 बजे आक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के पास उसकी बाइक की भिड़ंत ट्रैक्टर से हो गई। जिसमें आकाश गंभीर रूप से घायल हो गया।घायल को पुलिस ने सीएचसी में भर्ती कराया। पुलिस ने दोनों वाहनो को कब्जे में ले लिया है।थाना अध्यक्ष धीरज नागर का कहना है कि जांच की जा रही है।

लकड़ी भरने जा रही ट्रैक्टर ट्राली सड़क किनारे गड्ढे में पलटी छ घायल

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

लकडियां भरने के लिए नहटौर आ रही ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खस्से (गड्ढे) में घुस गई। जिससे चालक सहित छः लोग घायल हो गए।

बिजनौर के मौहल्ला मिर्दगान निवासी ठेकेदार दानिश का झालू व नहटौर में लकड़ी कटान का काम चल रहा था। ट्रक्टर चालक जाकिर (45) पुत्र शब्बीर, मजदूर अबरार (28) पुत्र हनीफ, मौ. खुर्शिद (35) पुत्र तसलीम, अनीस (32) पुत्र यूनुस, इमरान (36) पुत्र रुडवा, वसीम (38) पुत्र मुन्ने निवासी मुबारकपुर तालम झालू में काटी गई लकडियां ट्रॉली में भरकर नहटौर से लकडियां भरने के लिए आ रहे थे।

झालू रोड पर मेहरपुर में ट्रक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क के दूसरे किनारे पर जाकर गड्ढे में घुस गई। घटना में सभी लोग घायल हो गए। साथ ही लकडियां भी बिखर गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से वसीम की हालत को नाजुक देखते हुए हायर सेंटर रैफर कर दिया गया। गनीमत रही कि जिस समय ट्रैक्टर गड्ढे में घुसा सड़क पर कोई नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

गालीबाज थाना प्रभारी स्योहारा एक बार फिर चर्चा में

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

स्योहारा थाने के प्रभारी एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। सोशल मीडिया पर एक ऑडियो वायरल हो रहा है जिसमें थाना प्रभारी स्पष्ट रूप से एक व्यक्ति को और पत्रकारों को अपशब्द कहते हुए सुनाई दे रहे है। ऑडियो सामने आते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह पहली बार नहीं है। थाना प्रभारी का इस तरह का व्यवहार बार बार सामने आने के बाद भी नही होती इनके विरुद्ध कोई कार्यवाही। जिस पर प्रशासन के लिए अलग अलग चर्चा होती है।

इससे पहले भी उनके अभद्र व्यवहार की शिकायतें मिलती रही हैं। जिसका साक्ष्य ऑडियो उपस्थित है।

इस कारण मामले ने तूल पकड़ लिया है। मिली जानकारी के अनुसार जिले के आला अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दे दिए हैं। वहीं स्थानीय जनता का कहना है कि जिस अधिकारी पर कानून व्यवस्था को बनाए रखने की जिम्मेदारी है। वही अगर आमजन से दुर्व्यवहार करे, तो ऐसे अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

भगवान परशुराम जन्म उत्सव पर ब्राह्मण सभा ने निकाली शोभायात्रा

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

ब्राह्मण सभा द्वारा शोभा यात्रा का आयोजन किया गया।, शोभा यात्रा खोखरा महादेव मंदिर से लगभग 5:00 बजे शुरू हुई शोभा यात्रा में आधा दर्जन झांकियां यात्रा को सुशोभित कर रही थी। बाजार जामा मस्जिद, सराफा बाजार गंज बाजार, लोहारी सराय, पालिका बाजार गांधी मूर्ति होती हुई हिंदू इंटर कॉलेज में पहुंचकर एक सभा में परिवर्तित हो गई।

जिसमें वक्ताओं ने भगवान परशुराम के जीवन पर प्रकाश डाला तथा उनके बताए राश्ते पर चलने का आवाहन किया गया।

शोभायात्रा में अध्यक्ष प्रदीप शर्मा प्रदीप शर्मा अध्यक्ष संदीप शर्मा, राजीव सोती, प्रेम कुमार शर्मा अनुज शर्मा, प्रेम कुमार शर्मा संजय कुमार काकू पंडित, दर्शन त्रिपाठी, रितिक शर्मा, सुनील कुमार शर्मा, मास्टर राजकुमार शर्मा, विजय कुमार शर्मा, अशोक कुमार, पूर्व पाली का अध्यक्ष प्रभात चंद्र गुप्ता, डॉ मनोज शर्मा, पंडित रॉबिन गौतम, धर्मेंद्र मिश्रा, परितोष कौशिक, विवेक शर्मा अंकित शर्मा, सचिन शर्मा पंडित कमल जितेंद्र शर्मा, आदित्य समेत ब्राह्मण सभा के कई लोग मौजूद रहे।

शोभा यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया, तथा लोगों ने भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर, ब्राह्मण समाज द्वारा निकाली गई शोभायात्रा का जगह-जगह फूल माला पहनकर भी स्वागत किया गया। शोभा यात्रा शांतिपूर्ण तरीके से निकालने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। अंत में ब्राह्मण सभा की यह शोभायात्रा, हिंदू इंटर कॉलेज पहुंचकर सभा में परिवर्तित हो गई जहां पर सूक्ष्म जल पान का आयोजन किया गया।

तालाब पर किनारे मिट्टी डालकर अवैध कब्जे के प्रयास, पालिका ने हटवाया

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

नूरपुर मार्ग पर रिलायंस पैट्रोल पंप के पास तालाब के किनारे मिट्टी डालकर

अवैध कब्जे की सूचना पर पालिका की टीम जेसीबी लेकर पहुंची और उसने डाली गई मिट्टी को वहां से उठाकर अपने कब्जे में ली ह

नूरपुर मार्ग पर रिलायंस पैट्रोल के पास पुलिया के निकट तालाब है। बताया जाता है कि उक्त तालाब नगर पालिका है।बुधवार की सांय करीब सात बजे तालाब किनारे दो ट्राली मिट्टी डाली गई थी। मिट्टी डालकर तालाब पर कब्जा की कोशिश करने की सूचना पर नगर पालिका की टीम में वरिष्ठ लिपिक विशेष कुमार, शाहजेब, अतुल कुमार, दीपक कुमार आदि जेसीबी लेकर मौके पर पहुंचे। नगर पालिका की टीम ने कार्रवाई करते हुए जेसीबी से ट्रैक्टर ट्राली में मिट्टी भरकर अपने कब्जे में लिया। नगर पालिका की टीम को देखकर हड़कंप मच गया। पालिका ईओ ओम गिरी का कहना है कि जांच की जा रही है।

निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 198 लोगों की जांच हुई, 25 को देहरादून रैफर किया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

हिमालय अस्पताल जॉली ग्रांट देहरादून के सहयोग से राष्ट्रीय अंधता एवं दृष्टि दोष नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत नूर ऑप्टिकल आई सेंटर बारादरी नगीना में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में क्षेत्र के सैकड़ों मरीजों ने भाग लिया, जिनमें से 198 लोगों की आंखों की जांच की गई, वहीं मोतियाबिंद से ग्रसित 25 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चयनित कर देहरादून भेजा गया। विशेष बात यह रही कि इन ऑपरेशन मरीजों को हिमालय अस्पताल द्वारा पूरी यात्रा जाना, आना, ठहरने और इलाज सभी सुविधाएं निः शुल्क उपलब्ध कराई।

इस सेवा से लाभान्वित हो रहे ग्रामीणों और नगरवासियों में विशेष उत्साह देखा गया।इस शिविर का संचालन नूर ऑप्टिकल आई सेंटर के संचालक मुजम्मिल अज़ीम द्वारा किया गया, जो जिले में एक सामाजिक सेवाभावी व्यक्तित्व के रूप में पहचाने जाते हैं। मुजम्मिल अज़ीम हर महीने दो बार इस प्रकार के नेत्र शिविरों का आयोजन कर दर्जनों जरूरतमंदों को चिकित्सा सुविधा दिलवा रहे हैं। उनके इस प्रयास की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

शिविर के सफल संचालन में हिमालय अस्पताल जॉली ग्रांट देहरादून से आईं नेत्र विशेषज्ञ डॉ. तानिया चौधरी, मनोज कुमार, प्रकाश सिंह रावत, शिल्पी सिंह, प्रियंका और सहयोगी स्टाफ का विशेष योगदान रहा। सभी ने सेवा भाव से दिनभर जांच और परामर्श कार्य किया। नेत्र रोग विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की कि वे समय-समय पर आंखों की जांच अवश्य कराएं और नेत्र स्वास्थ्य को लेकर जागरूक रहें।

पहलगाम हमले के विरोध में व्यापारियों ने विरोध स्वरूप रखा बाजार बंद

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷

बुधवार को व्यापार मंडल के सहयोग से कश्मीर के पहलगाम में

आतंकवादियों द्वारा हमले से हुई निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्याकांड से जहां पूरा देश गुस्से में है।

तो वहीं आज बुधवार को उद्योग व्यापार मंडल हल्दौर के सहयोग से विरोध स्वरूप नगर का पूर्ण बाजार बंद रखकर पुरजोर विरोध स्वरूप निन्दा की गई है।

नगर वासियों ने गली मौहल्लों की भी समश्त दुकानें बंद रखकर विरोध जताया है। नगर के मेडिकल स्टोर एवं दुध की डेरी छोड़कर सम्पूर्ण बाजार बंद रहा।

छत पर गई महिला को सांप ने ड़सा, जिला अस्पताल किया रेफर

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

गांव शेखुपुरा लाला में छत पर किसी काम से गई महिला को सांप ने डस लिया। महिला को सीएचसी में भर्ती कराया।जहां से उसे जिला अस्पताल रैफर किया गया। महिला की हालत में सुधार बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार नहटौर क्षेत्र के गांव से शेखुपुरा लाला निवासी 35 वर्षीय बेबी रानी पत्नी वीरेंद्र सिंह अपने घर की छत पर किसी काम से गई थी। इसी दौरान सांप ने डस लिया।बुधवार को महिला को नहटौर सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहां से जिला अस्पताल रैफर किया गया है।

महिला की हालत में सुधार बताया जा रहा है। चिकित्साधिकारी डॉ आशीष आर्य ने बताया कि वैक्सीन अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। सांप काटने जैसी स्थिति में झाड़ फूंक के चक्कर में ना पड़े। तुरंत मरीज को सीएचसी में भर्ती कराया। ताकि समय से उपचार किया जा सके।

चोरी करने वाला पुराना नौकर और ड्राइवर गिरफ्तार

1 करोड़ की ज्वेलरी और 5 लाख रुपए बरामद

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

उत्तर प्रदेश की नोएडा पुलिस ने घर में चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है।

गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने करीब 5 लाख रुपए नकद और 1 करोड़ रुपए मूल्य की ज्वेलरी के साथ एक चाकू बरामद किया है।

पुलिस ने जानकारी दी कि गिरफ्तार अभियुक्तों में समरजीत और संदीप सिंह शामिल हैं। तलाशी के दौरान इनके कब्जे से दो सोने की चेन, दो सफेद नग जड़ी चेन, सात नग लगी सोने की अंगूठियां, 11 सोने के सिक्के, 64 चांदी के सिक्के, सोने और चांदी के 13 बड़े सिक्के, 11 नग जड़ी चूड़ियां, 12 सफेद नग जड़े ईयर रिंग, एक सोने का कर्णफूल, एक नग जड़ा ब्रेसलेट और एक चाकू बरामद किया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी समरजीत पूर्व में पीड़ित के घर में करीब ढाई वर्षों तक घरेलू नौकर के रूप में कार्यरत था। काम छोड़ने के बाद उसने घर की चाबी चोरी कर ली थी। समरजीत की पीड़ित के ड्राइवर संदीप सिंह से मित्रता थी, जिसकी मदद से उसने घर की स्थिति की जानकारी ली और दोनों ने मिलकर चोरी की साजिश रची और घटना को अंजाम दिया।

पुलिस के मुताबिक, समरजीत (19), निवासी नवेली गांव, थाना अहियापुर, जिला मुजफ्फरपुर (बिहार) का मूल निवासी है। वह वर्तमान में नोएडा के सेक्टर-49 थाना क्षेत्र के अगाहपुर गांव में किराए के मकान में रह रहा था।

वहीं, संदीप सिंह (29) गोरखपुर के वेलीपार थाना क्षेत्र का निवासी है। वह वर्तमान में नोएडा के सेक्टर-49 स्थित अगाहपुर में किराए के मकान में रहता था।

गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग धाराओं के साथ आर्म्स एक्ट के तहत थाना सेक्टर-39 नोएडा में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस इनके अन्य आपराधिक इतिहास की भी जानकारी पता कर रही है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रोजेक्ट का मुख्य सचिव ने किया निरीक्षण, निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बुधवार को जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का स्थलीय निरीक्षण किया और परियोजना की प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की सराहना करते हुए इसे निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरुणवीर सिंह, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, ओएसडी और नोडल अधिकारी शैलेंद्र कुमार भाटिया, उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह, जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ श्रेलमैन, चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर निकोलस शेंक तथा चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर किरन जैन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वहीं, बैठक में यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड, टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के अधिकारियों ने मुख्य सचिव को रनवे, टर्मिनल भवन, कार्गो सुविधाओं एवं अन्य बुनियादी ढांचों की प्रगति की जानकारी दी।

मुख्य सचिव ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह परियोजना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और शीघ्र ही उड़ान संचालन की अंतिम समयसीमा घोषित की जाएगी। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में कोई ढिलाई नहीं बरती जाए और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। उन्होंने यह भी कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा और युवाओं के लिए रोजगार तथा व्यापार के अवसर उपलब्ध कराएगा। निरीक्षण के पश्चात मुख्य सचिव ने टर्मिनल भवन, कार्गो स्थल सहित अन्य निर्माणाधीन स्थलों का भ्रमण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने पर बल दिया।

गौरतलब है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के काम को लेकर लगातार उत्तर प्रदेश शासन की तरफ से अधिकारियों का निरीक्षण होता रहता है। कोशिश की जा रही है कि जल्द से जल्द कार्य पूर्ण हो और उड़ान के लिए एयरपोर्ट तैयार हो जाए।

नोएडा पुलिस ने दो तस्करों को किया गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

नोएडा की थाना फेज-3 पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजे की तस्करी करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने इनके कब्जे से करीब 5 किलोग्राम गांजा, दो मोबाइल फोन और तस्करी में इश्तेमाल एक मोटरसाइकिल बरामद की। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 2.5 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस को गोपनीय सूचना और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के आधार पर यह सफलता मिली।

पुलिस ने ग्रीन बेल्ट क्षेत्र से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार योगेंद्र प्रताप (26) कन्नौज जनपद के तालग्राम थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वह वर्तमान में सेक्टर-121 स्थित गढ़ी गोल चक्कर गांव में रहता है। वहीं, दूसरा गिरफ्तार आरोपी कन्हैया (23) भी कन्नौज जनपद के तालग्राम थाना क्षेत्र का निवासी है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी शिलांग और पूर्वोत्तर राज्यों से उच्च गुणवत्ता वाला गांजा मंगवाते थे। इसके बाद ग्राहक की मांग के अनुसार प्रतिष्ठित कंपनियों के रैपर में पैक करके, उसे विभिन्न डिलीवरी कंपनियों के माध्यम से भेजते थे। शातिर पेमेंट के लिए ऑनलाइन मोड का उपयोग करते थे। इसके जरिए कस्टमर और तस्करों का आमना-सामना भी नहीं होता था।

पुलिस ने बताया कि बड़ी कंपनियों के पैकेट में नशे के सामान भेजे जाने पर किसी को शक भी नहीं होता था। आरोपी दूसरे व्यक्तियों के नाम पर बैंक अकाउंट खुलवाते थे और लेनदेन करते थे।

पुलिस ने बैंक अकाउंट्स की जांच भी शुरू कर दी है। वहीं, फेज-3 थाने में मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है। पुलिस की कोशिश है कि इस गिरोह के अन्य लोगों के बारे में भी पता लगाया जाए, ताकि इस पूरे गिरोह का खुलासा किया जा सके।

संपादकीय

युद्ध के लिए क्यों उकसा रहा पाकिस्तान ?

पहलगाम में हुई नरसंहार की घटना निहायत ही कायरतापूर्ण और अति निंदनीय है। अपने परिवारों के साथ प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने धरती के स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर में पहुंचे पर्यटकों पर हमला करके उनको मौत के घाट उतारना उन हमलावरों और उनके आकाओं की वहशी, अमानवीय और घृणित मानसिकता को साफ-साफ प्रदर्शित करता है।

इस हमले में हिंदू पुरुषों को जिस प्रकार चुन चुन कर उनके परिवारों के सामने निशाना बनाया गया और उनके हिंदू होने की पहचान के लिए जिस तरह के हथकंडे अपनाए गए, वो बहुत ही निम्न स्तरीय और मानवता को शर्मसार करने वाले हैं। जिस प्रकार से हमलावरों ने पर्यटकों पर हमले से पहले उनके धर्म पूछे, कलमा पढ़ने को कहा और उनके कपड़े उतरवाकर उनकी पहचान स्थापित करने की कोशिश की उससे इस बात की तस्दीक हो जाती है कि हमलावर एक निश्चित योजना के अनुसार हमला कर रहे थे और वे किसी तरह की जल्दबाजी में भी नहीं थे।

उनको इस बात का भी पूरा ज्ञान था कि उन्होंने हमारे देश के खुफिया तंत्र की आंखों में धूल झोंक दी है और इस बात के प्रति भी आश्वस्त थे कि इस वक्त कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। आतंकी अपनी योजना को अक्षरशः पूरा करने में कामयाब भी रहे हैं। यह आतंकी हमला देश की सुरक्षा व्यवस्था पर तो प्रश्नचिन्ह लगता ही है, साथ ही साथ देश के खुफिया तंत्र की नाकामयाबी की भी पोल खोलता है। इस आतंकी हमले में न केवल मासूम और निर्दोष पर्यटकों की जान ली गई, बल्कि वहां पर मौजूद जिंदा बचे लोगों के दिलों में दहशत डालकर इस दहशत को देश भर में फैलाने और सरकार को उकसाने का काम भी किया गया है।

अमूमन किसी भी तरह के हमले में हमलावरों की मानसिकता ज्यादा से ज्यादा लोगों को हताहत करने और ज्यादा लोगों को मारकर दहशत का माहौल बनाने की होती है, लेकिन यह हमला जो सवाल खड़े करता है उनके बारे में सभी को गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस हमले में बच्चों और महिलाओं को निशाना बनाने की बजाय उनके दिलों में दहशत डालकर छोड़ दिया गया ताकि उनके द्वारा यह दहशत पूरे देश में फैलाई जाए। ऐसा प्रतीत होता है कि इस आतंकी हमले का एक उद्देश्य देश में धार्मिक उन्माद को बढ़ा कर देश को कमजोर करने का प्रयास भी है। यह हमला युद्ध के लिए उकसाने का प्रयत्न भी है।

अब प्रश्न यह भी है कि आखिर हमलावर या उनका आका पाकिस्तान इस तरह का संदेश क्यों देना चाहता है? क्या यह पाकिस्तान का अति आत्मविश्वास है या इसके पीछे भी कोई चाल है? इस हमले के बाद पूरे देश में गुस्सा है और हर देशवासी सरकार से उम्मीद लगाए बैठा है कि सरकार को इस हमले का बदला लेने के लिए किसी भी हद तक चले जाना चाहिए और भले ही इसके लिए भारत और पाकिस्तान में युद्ध की नौबत क्यों न आ जाए। भारत में इस समय हिंदू पक्षधर सरकार है, यह बात पाकिस्तान में बैठे हमलावरों के आका भी जानते हैं और हिंदुओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध इस सरकार के लिए युद्ध का निर्णय लेना कोई कठिन कार्य भी नहीं है, यह भी जगजाहिर है।

लेकिन क्या सरकार वही करने जा रही है जो दुश्मन करवाना चाहता है? और क्या हम वैसे ही रिएक्ट कर रहे हैं, जैसा हमलावरों ने सोचा था? इन कुछ प्रश्नों पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है। पाकिस्तान जैसे आतंक को पोषण देने वाले देश के खिलाफ कार्रवाई के लिए वैसे तो किसी आतंकी हमले का इंतजार करने की जरूरत नहीं है।

इससे पहले भारत 1965 और 1971 में पाकिस्तान को युद्ध में धूल चटा चुका है लेकिन पाकिस्तान फिर भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और उसने 1999 में फिर से कारगिल में अपनी औकात दिखा दी और उस युद्ध में भी पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी थी। इस बार भी अगर युद्ध होता है तो भारत की सेनाओं के पराक्रम के आगे पाकिस्तान कहीं भी ठहर नहीं पाएगा। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि क्या यह युद्ध आखिरी युद्ध होगा या इसके बाद फिर से कुछ सालों के बाद इसी प्रकार के हालात से जूझते हुए भारत को ऐसी ही लड़ाई लड़नी पड़ेगी।

हमारे देश की तरक्की और विकास की रफ्तार से कुछ पड़ोसी मुल्कों को बहुत अधिक तकलीफ है और अब उनको लगता है कि अगर भारत को विकास के रास्ते से हटाकर पीछे करना है तो पाकिस्तान जैसा हथियार युद्ध है। युद्ध किसी भी देश की तरक्की में बहुत बड़ा रोड़ा सिद्ध होते हैं। इसलिए दुश्मन की चाल और उसकी मानसिकता को समझते हुए इस बार ऐसा जवाब दिया जाना चाहिए जिससे दोबारा से पाकिस्तान अपनी गर्दन उठाने की हिम्मत न कर पाए। सिंधु जल समझौते को रद्द करना पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ी मुसीबत बन सकता है।

यह कूटनीतिक पहल पाकिस्तान को घुटनों के बल ला सकती है, भले ही इसके लिए बहुत अधिक समय लगेगा, लेकिन इसके परिणाम पाकिस्तान के लिए अत्यंत भयानक सिद्ध होंगे। इस तरह के कूटनीतिक निर्णयों से पाकिस्तान को बिना युद्ध के ही घुटनों के बल लाया जा सकता है। इसलिए इस बार सख्त कूटनीतिक कदम उठाकर पाकिस्तान को सबक सिखाने की आवश्यकता है। ऐसी स्थिति में पक्ष-विपक्ष को भी एकजुट होना चाहिए। राजनीति देश के लिए होती है, देश की कीमत पर नहीं।

बेतुके बयानों से बचें एवं राजनीतिक सहमति कायम रखें

ललित गर्ग

पहलगाम की बर्बर आतंकी घटना ने भारत की आत्मा पर सीधा हमला किया है, इसमें पाकिश्तान की स्पष्ट भूमिका को देखते हुए देश की एक सौ चालीस करोड जनता चाहती है कि अब पाकिश्तान को सबक सीखाना जरूरी हो गया है, नरेन्द्र मोदी सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया और पाकिश्तान के खिलाफ कठोर एक्शन लेते हुए सिंधु जल को रोकने जैसे पांच कदम उठाये। दोनों ही देशों के बीच युद्ध की स्थिति बनी है, यह पहली बार देखने को मिला है कि इस घटना को लेकर कश्मीर सहित समूचा देश एक दिखाई दे रहा है।

ऐसे क्रूर, आतंकी एवं अमानवीय हमले के वक्त में पूरा देश दुख और गुस्से की मनःस्थिति से गुजर रहा है, जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने शांति और सांप्रदायिक सद्भाव का एक सशक्त संदेश दिया है। सभी राजनीतिक दल, जाति, वर्ग, धर्म के लोग पाकिश्तान को करारा जबाव देने के लिये मोदी सरकार के हर निर्णय में सहयोगी होने का संकल्प व्यक्त किया है, बावजूद इसके कुछ नेताओं के ओछे, बेतुके एवं अराष्ट्रीय बयान भी सामने आए हैं, जिनको सुनकर इन नेताओं के मानसिक दिवालियेपन, औछेपन एवं विध्वंसक राजनीतिक सोच पर क्रोध भी आता है एवं तरस भी आता है।

निश्चित ही ये बयान जहां अंधविरोध की घोर नकारात्मक एवं संकीर्ण राजनीति को दर्शाते है, वहीं कुछ वोट बैंक की सस्ती राजनीति को उजागर करते हैं। भाजपा नेताओं को भी यह ध्यान रखना होगा कि उनकी ओर से ऐसा कुछ न कहा-किया जाए, जिससे यह लगे कि वे पहलगाम की घटना का राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं। जब राष्ट्र संकट एवं जटिल दौर में हो, किसी का राजनीतिक हित देशहित से बड़ा नहीं हो सकता।

अनर्गल, बेतुके एवं राष्ट्र-विरोधी बयानों ने एक बार फिर कुछ नेताओं एवं दलों की घटिया सोच को बेनकाब किया है। जबकि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने पहलगाम की बर्बर आतंकी घटना पर अपने नेताओं के बेतुके बयानों का संज्ञान लिया और यह निर्देश दिया कि वे इस हमले पर पार्टी लाइन के हिसाब से ही बोलें।

ऐसे निर्देश देना इसलिए आवश्यक हो गया था, क्योंकि उसके कई बड़े नेता और यहां तक कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री भी बेलगाम होकर यह कह गए कि हम युद्ध के पक्ष में नहीं। वहीं के एक मंत्री एवं नेता ने तो कहा कि आतंकियों के पास इतना समय कहां होता है कि वह किसी को मारने से पहले उसका धर्म पूछें।

इसी तरह का बयान महाराष्ट्र के कांग्रेस विधायक ने भी दिया। हद तो यह हो गई कि जब यह भी बोला गया कि जो महिला कह रही है कि उसके पति को मारने से पहले उनसे उनका धर्म पूछा गया, उसने अपना होशोहवास खो दिया होगा। एक अन्य कांग्रेस नेता ने यह बेतुकी बात कही कि पाकिश्तान भाजपा और आरएसएस का दुश्मन होगा, कांग्रेस का नहीं? ऐसे बयान केवल संवेदनहीन और पहलगाम हमले से क्षुब्ध देशवासियों का खून खौलाने वाले ही नहीं, आतंक को खाद-पानी देने वालों के मन की मुराद पूरी करने वाले भी हैं।

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने अपने विवादित बयान में कहा कि इस घटना से किसे फायदा हो रहा है और कौन हिंदू-मुस्लिम कर रहा है इसका जवाब हमला करने वाले के पास ही है। टिकैत ने जोर देकर कहा कि असली चोर पाकिश्तान में नहीं बल्कि भारत में ही मौजूद है।

टिकैत अपने औछे, घटिया एवं उच्छृंखल बयान के साथ यह उदाहरण भी दिया कि जब गांव में किसी की हत्या होती है, तो पुलिस सबसे पहले उसे पकड़ती है, जिसे जमीन मिलने जैसा फायदा होता है।

पाकिश्तान के लिये पानी रोकने के निर्णय पर उनका यह कहना कि पानी पर सभी जीव-जंतुओं का अधिकार है, यह सबको मिलना चाहिए। ऐसा कहकर उन्होंने भारत-विरोधी विचार ही दिया है।

बिजनसमैन एवं गांधी परिवार के जवाई रॉबर्ट वाड्रा के पहलगाम हमले पर विचार भले ही चौतरफा आलोचना के बाद बदल गए हैं। लेकिन उन्होंने भी इस आतंकवादी हमले के लिए मोदी सरकार और हिंदुत्व को जिम्मेदार ठहराया था।

राष्ट्रीय हितों पर चोट करने और देश की एकजुटता को प्रभावित करने वाले ये बयान यही नहीं बताते कि राजनीतिक कटुता के चलते नेतागण संवेदनशील मामलों में भी बोलते समय अपने विवेक का परित्याग कर देते हैं, बल्कि यह भी इंगित करते हैं कि उन्हें राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर भी पार्टी लाइन की कोई परवाह नहीं रहती। उनके लिये पार्टी देश से ज्यादा महत्वपूर्ण है। इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है, जिन भी दलों के नेता पहलगाम की घटना पर अनर्गल बयान दे रहे हैं और जिसके चलते सर्वदलीय बैठक में बनी सहमति आहत हो रही है, उन पर लगाम लगे।

पहलगाम आतंकी हमला पहला मौका है, जब विपक्ष 'किसी भी जवाबी कार्रवाई' के लिए मोदी सरकार के साथ खड़ा दिख रहा है। उड़ी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा हमले के बाद एयर स्ट्राइक के सुबूत मांगने वाले विपक्ष के रुख में यह बड़ा बदलाव है। सबसे बड़े लोकतंत्र की राजनीति के लिए यह निश्चय ही सकारात्मक संकेत भी है।

संसदीय लोकतंत्र में सरकार बहुमत से बनती है, लेकिन सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों की भूमिकाएं महत्वपूर्ण रहती हैं। बेशक पहलगाम में सुरक्षा चूक पर जवाब मांगने का राजनीतिक अधिकार विपक्ष को है, क्योंकि चूक तो हुई ही है, लेकिन सहमति के लिए संवाद और समन्वय की प्रक्रिया जारी रहनी जरूरी है।

यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि राजनीति देश के लिए होनी चाहिए, देश की कीमत पर नहीं। अलग-अलग दलों से होने तथा कई मुद्दों पर नीतिगत मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री नरसिंह राव, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर और नेता प्रतिपक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने परस्पर सम्मान भाव वाले रिश्तों से संवाद, सौहार्द, समझ तथा समन्वय की जो मिसाल पेश की, वह दलगत राजनीति में वर्तमान सन्दर्भों में मार्गदर्शक बन सकती है।

एक-दूसरे को देशविरोधी मानने की मानसिकता से मुक्त होना होगा और परस्पर कटुता के बजाय सम्मान का भाव जगाना होगा। अपेक्षा की जाती है कि अपनी-अपनी राजनीतिक विचारधारा पर अडिग रहते हुए भी वे राष्ट्रहित के मुद्दों पर सहमति के साथ आगे बढ़ें, कायम रहे राजनीतिक सहमति ताकि देश चुनौतियों एवं संकटों का सामना प्रभावी एवं सफलतापूर्वक कर सके।

विडम्बना तो यह है कि भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिश्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के मजबूत सबूत बार-बार दिए, अब दुनिया भी स्वीकारने लगी है कि पाकिश्तान आतंक की प्रयोगशाला है।

उसकी इस नर्सरी एवं आतंक की खेती का उद्देश्य भारत की तबाही ही है। भारत को कभी तो जबाव देना ही था, अब भारत ने कमर कसी है तो पाकिश्तान परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसी गिदड धमकियों पर उतर आया है। अब तो भारत के राजनीतिक दलों, नेताओं एवं संकीर्ण मानसिकता वाले लोगों को पाकिश्तान के प्रति अपनी सोच को बदलना चाहिए।

अब पाकिश्तान के लिये स्थिर पड़ोसी का विचार छोड़कर रणनीतिक विखंडन के जरिये क्षेत्रीय परिदृश्य को नया आकार देना समय की जरूरत है। आज सरकार, विपक्ष और नागरिकों के सामने एक बड़ी चुनौती है कि वे ऐसा कुछ न करें, जिससे सांप्रदायिक संघर्ष फैले। सीमाओं पर लड़ने की ताकत देश के भीतर के इन संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक एजेंडे में खप जायेगी तो हम केवल उस एजेंडे को ही आगे बढ़ा रहे होंगे, जो आतंकवादियों एवं पाकिश्तान का मकसद है- भारत को विभाजित करना।

कश्मीर एवं देश में मुस्लिम समाज ने पहलगाम की घटना का जिस तरह विरोध किया, काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ी और कहा कि इस घटना ने इस्लाम को बदनाम किया है, वह स्वागतयोग्य है। देश में आगे भी सद्भाव बना रहे, यह देखना सभी समुदायों की जिम्मेदारी है। लेकिन इससे बड़ी जिम्मेदारी राजनीतिक दलों एवं नेताओं की है कि वे बेतुके बयानों से स्वार्थ की राजनीति का त्याग करें।

पाक के खिलाफ कूटनीतिक एवं रणनीतिक दबाव जरूरी

ललित गर्ग

पाकिस्तान की पहचान एक ऐसे देश के रूप में है जो कमजोर है, असफल है, कर्ज में डूबा है, अपने नागरिकों के हितों की रक्षा करने में नाकाम है, आतंक की नर्सरी एवं प्रयोगशाला है, ढहती अर्थव्यवस्था है, इन बड़ी नाकामियों को ढ़कने के लिये ही वह कश्मीर का राग अलापता रहा है, वहां के नेता एवं सैन्य अधिकारी तमाम जर्जरताओं एवं निराशाओं के बावजूद आज भी हिन्दू और भारत विरोध को ढ़ाल बनाकर ही अपनी सत्ता मजबूत करते रहे हैं।

लेकिन अब उसका चेहरा इतना बदनुमा बन गया है कि उसने धर्म के नाम पर निर्दोष एवं बेगुनाह लोगों का खून बहाना शुरु कर दिया है। भारत ही नहीं, दुनिया में आतंक को फैलाने में अपनी जमीन, संसाधन एवं ताकत का प्रयोग खुलेआम करना शुरु कर दिया है, यह उसकी बौखलाहट ही है, यह उसकी निराशा ही है, यह उसकी विकृत सोच ही है।

इस घिनौनी सोच का पर्दापाश पहलगाम के खौफनाक आतंकी हमले के रूप में पूरी दुनिया के सामने हुआ है। विडम्बना तो यह है कि भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के मजबूत सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों एवं चीन ने इसे अनदेखा ही किया। लेकिन इस बार की पहलगाम घटना ने इन देशों के साथ पूरी दुनिया को झकझोर दिया है और पाकिस्तान के प्रति उनकी सोच बदली है।

निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर हो गई है, लेकिन उसके आतंकवादी होने के पुख्ता प्रमाणों ने दुनिया को एकजुट कर दिया है, यही कारण है कि दुनिया से वह अलग-थलग अकेला खड़ा है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया।

सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? क्यों उसने किन्हीं दूसरे देशों के कहने पर अपनी जमीन को आतंक की उर्वरा भूमि बनने दिया? क्यों उसने इस्लाम को आधार बनाकर कट्टरपंथ की फसल सींची? पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था।

सोचने वाली बात तो यह भी है कि उसने इस्लाम एवं मुसलमान समुदाय को भी अपने गलत एवं गंदे मनसूबों के लिये इश्तेमाल किया। यह कारण है कि अपने धर्म को धुंधलाने एवं बेजा इश्तेमाल का फल उसे तमाम असफलताओं एवं पराजयों के रूप में मिला है, अन्यथा इस्लाम का पवित्र उपयोग करने वाले देश तो दिनोंदिन आगे बढ़ रहे हैं, समृद्ध हो रहे हैं, अपने लोगों को उन्नत जीवन प्रदत्त कर रहे हैं, दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाकर खड़े है। दुनिया पाकिस्तान के बदसूरत चेहरे को देख चुकी है, फिर भी दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया।

भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान दुनिया की शांति, अमन एवं उन्नत संसार-निर्माण के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको सख्त आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक्त आ गया है। आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान सुधर नहीं सकता, अतीत में भारत से तीन युद्ध हारने के बावजूद उसने कुछ सबक नहीं लिया। भारत को नुकसान पहचाने की नीति पर वह आज भी कायम है। भारत की अलग-अलग समय की सरकारों ने अनेक कोशिशें पाकिस्तान से संबंध सुधारने की है, लेकिन पाकिस्तान सुधरा नहीं।

भारत के संबंध सुधार, शांति एवं पडोसी देश-धर्म के प्रयासों का जबाव उसने हमेशा आतंकवादी घटनाओं के रूप में ही दिया। भारत के इन सकारात्मक प्रयासों के बदले कभी कारगिल मिला, कभी पठानकोट, कभी उरी तो कभी मुंबई। लेकिन इस बार के पहलगाम के नृशंस आतंकी हमले के बाद हर भारतीय, यहां तक हर कश्मीरी की जुबान पर एक ही सवाल है कि इस पाकिस्तान का इलाज क्या है? लेकिन इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बड़ा और आरपार का करने के मुड़ में है। अब तक प्रधानमंत्रियों में वे सर्वाधिक शक्तिसम्पन्न एवं हौसल्ले वाले महानायक है।

पाकिस्तान इस समय बहुआयामी संकट का सामना कर रहा है, आंतरिक असंतोष, आर्थिक पतन एवं घटती अन्तर्राष्ट्रीय प्रासंगिकता के चलते वह बौखलाहट का शिकार है। इसी का परिणाम है कि वह भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-शनाप बयानों से वह अपने ही पांव पर कुल्हाडी चलाता हुआ दिख रहा है।

चीन पर उसका भरोसा भी उसे निराश ही करेगा। पाकिस्तान में जब चीनी नागरिकों को निशाना बनाया जाता है, तब चीन को उसमें आतंकवाद नजर आता है, लेकिन मौका मिलने पर वह मसूद अजहर जैसे आतंकियों को बचाने से गुरेज नहीं करता। ऐसा नहीं है कि चीन मुस्लिमों का रहनुमा है। दुर्भाग्य से, बात जब भारत की आती है, तो आतंकवाद को लेकर पेइचिंग का नजरिया भी बदल जाता है। लेकिन इस बार चीन के सामने भारत का लुभावना बाजार है, इसके चलते वह पाकिस्तान का खुला समर्थन करेगा, इसमें शंका है।

पाकिस्तान का एकमात्र बड़ा सहारा चीन भी उससे दूरी बना ले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पाकिस्तान को वह हमेशा भारत को परेशान करने के टूल के रूप में इश्तेमाल करता आया है। पहलगाम की तटस्थ जांच के लिए पाकिस्तान का प्रश्ताव बताता है कि वह कमजोर और अलग-थलग पड़ रहा है।

भारत के पक्ष को दुनिया बेहतर ढंग से समझ रही है। यही बात चीन को भी समझानी होगी। मोदी सरकार के लिए यह दिखाना जरूरी हो गया है कि वो इस मामले को लेकर वाकई गंभीर है। जैसे-जैसे पर्यटकों के शव उनके परिवारों तक पहुंच रहे हैं और उनके अंतिम संस्कार के भावुक एवं मार्मिक दृश्य प्रसारित हो रहे हैं- सरकार पर दबाव बढ़ता जा रहा है। लोगों का गुस्सा खासतौर पर इस तथ्य से और बढ़ गया है कि आतंकवादियों ने पहले पुरुषों का धर्म जानना चाहा और उन्हें उनके परिवार के सामने गोली मार दी। पहलगाम घटना ने कश्मीर की रोजी-रोटी पर आंच पहुंचायी है, वहां की शांति को लीला है। यही कारण है कि पहलगाम हत्याकांड के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के आम लोगों ने बड़ी संख्या में विरोध-प्रदर्शन किया है। राज्य में बंद रहा, लोगों ने विरोध मार्च निकाले और यहां तक कि कश्मीर के प्रमुख समाचार पत्रों ने विरोध के तौर पर अपने मुखपृष्ठ को स्याह रंग से पोत दिया। आज सरकार, विपक्ष और नागरिकों के सामने एक बड़ी चुनौती है कि वे ऐसा कुछ न करें, जिससे सांप्रदायिक संघर्ष फैले।

क्योंकि तब हम केवल उस एजेंडे को आगे बढ़ा रहे होंगे, जो आतंकवादियों का मकसद है- भारत को विभाजित करना। भारत की एकता, कश्मीर की शांति एवं विकास एवं आतंकवाद की कमर तोड़ने के लिये अब पाकिस्तान को केवल सैन्य कार्रवाई से नहीं, बल्कि आर्थिक, राजनयिक एवं वैश्विक दबाव से पंगु बनाना होगा। पाकिस्तान के लिये स्थिर पड़ोसी का विचार छोड़कर रणनीतिक विखंडन के जरिये क्षेत्रीय परिदृश्य को नया आकार देना समय की जरूरत है। सिंध एवं बलुचिश्तान अपने श्तर पर प्रयास कर रहे हैं, आजाद कश्मीर को भारत में मिलाने की जरूरत है।

इस रणनीतिक एवं कूटनीतिज्ञ उद्देश्य के लिये एक दूरगामी, बहुआयामी एवं निर्णायक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसकी पहल लक्षित सर्जिकल स्ट्राइक और प्रमुख आतंकी सरगनाओं को मिटाकर आतंकी केन्द्रों को ध्वशत करके ही हो सकती है।

(लेखक पत्रकार एवं स्तंभकार है)

'हिंदी साहित्य की आँख में किरकिरी : स्वतंत्र स्त्रियाँ'

हिंदी साहित्य जगत को असल स्वतंत्र चेता प्रबुद्ध स्त्रियां अभी भी हजम नहीं होती। उन्हें वैसी ही स्त्री लेखिका चाहिए जैसा वह चाहते हैं। वह सॉफ्ट मुद्दों पर लिखे, परिवार, समाज, कुछ मनोविज्ञान, स्त्री-पुरुष संबंध। आधुनिकता का या आधुनिक स्त्री का पर्याय उनके लिए वह है कि बोल्ड लेखन कर सके, अश्लीलता को बोल्ड लेखन के नाम पर यह समाज स्त्री लेखिकाओं को खूब चढ़ाता है और उन्हें खूब बड़े-बड़े शब्दों से नवाजता है।

यह सब वे स्त्री स्वतंत्रता के नाम पर करता है। वे भ्रमित स्त्रियां भी घर परिवार का विरोध, संस्कृति का विरोध, विकृत यौनिकता के समर्थन को ही बोल्ड और आधुनिक मान उनके हाथ के कठपुतली बनी हुई इठलाती रहती हैं।

अफ़सोस कि उन्हें पता ही नहीं होता कि वे कठपुतली हैं, उनसे जैसा चाहे वैसा लिखवाया जाता है और वह भी उन्हें आधुनिक, साहसी, बोल्ड, स्वतंत्र चेता, प्रबुद्ध शब्दों की चाशनी में लपेटकर। लिजलिजे साहित्य की रचना, विध्वंस, नकारात्मकता लिखना ही उन्हें बोल्ड और प्रबुद्ध कहलवाता है...

प्रियंका सौरभ

हिंदी साहित्य जगत को असल स्वतंत्र चेता प्रबुद्ध स्त्रियां अभी भी हजम नहीं होती। उन्हें वैसी ही स्त्री लेखिका चाहिए जैसा वह चाहते हैं। वह सॉफ्ट मुद्दों पर लिखे, परिवार, समाज, कुछ मनोविज्ञान, स्त्री-पुरुष संबंध। आधुनिकता का या आधुनिक स्त्री का पर्याय उनके लिए वह है कि बोल्ड लेखन कर सके, अश्लीलता को बोल्ड लेखन के नाम पर यह समाज स्त्री लेखिकाओं को खूब चढ़ाता है और उन्हें खूब बड़े-बड़े शब्दों से नवाज़ता है। यह सब वे स्त्री स्वतंत्रता के नाम पर करता है।

वे भ्रमित स्त्रियां भी घर परिवार का विरोध, संस्कृति का विरोध, विकृत यौनिकता के समर्थन को ही बोल्ड और आधुनिक मान उनके हाथ के कठपुतली बनी हुई इठलाती रहती हैं। अफ़सोस कि उन्हें पता ही नहीं होता कि वे कठपुतली हैं, उनसे जैसा चाहे वैसा लिखवाया जाता है और वह भी उन्हें आधुनिक, साहसी, बोल्ड, स्वतंत्र चेता, प्रबुद्ध शब्दों की चाशनी में लपेटकर। लिजलिजे साहित्य की रचना, विध्वंस, नकारात्मकता लिखना ही उन्हें बोल्ड और प्रबुद्ध कहलवाता है।

हिंदी साहित्य जगत के लिए आज भी स्वतंत्र चेतना वाली प्रबुद्ध स्त्रियाँ एक असहज कर देने वाला सच हैं। वे स्त्रियाँ जो अपनी स्वतंत्र बुद्धि की मालिक हैं, जो सोचती हैं, सवाल उठाती हैं, और झुकी हुई लेखिकाओं के पुराने सांचे में नहीं ढलतीं-वे साहित्यिक जमात को अब भी पचती नहीं हैं। आज भी उन्हें वैसी ही लेखिकाएँ चाहिए जो उनके निर्धारित खांचे में फिट बैठेंः जो 'सॉफ्ट' मुद्दों पर लिखें-परिवार, समाज, थोड़ी सी मनोविज्ञान की बात, कुछ हल्के-फुल्के स्त्री-पुरुष संबंध।

जब हिंदी साहित्य के मंचों पर 'आधुनिकता' का जिक्र होता है, तो उसका भी एक निर्धारित ढांचा होता है। 'आधुनिक' स्त्री लेखिका का मतलब उनके लिए वह है जो 'बोल्ड' हो-यानी अश्लीलता को 'बोल्ड लेखन' का नाम देकर परोसे। जिसे 'यौनिक स्वतंत्रता' के नाम पर उकसाया जाए-परिवार के विरोध, संस्कृति के उपहास और संबंधों की विकृति को ही आधुनिकता का पर्याय बताया जाए।

इस पूरी चालाकी को इतनी मिठास से लपेटा जाता है कि भ्रमित लेखिकाएँ स्वयं भी इस झूठ को सच मान बैठती हैं। वे गर्व से फूली नहीं समातीं कि वे कितनी 'बोल्ड', 'स्वतंत्र' और 'आधुनिक' बन गई हैं-जबकि वे महज़ उन साहित्यिक ठेकेदारों के हाथों की कठपुतली बन चुकी होती हैं, जो उन्हें अपनी सुविधा के अनुसार नचाते हैं। अफसोस, उन्हें कभी यह सवाल उठाने की फुर्सत नहीं होती- कि जिस स्वतंत्रता का पाठ उन्हें पढ़ाया जा रहा है, क्या वही पाठ उन पुरुष लेखकों ने अपनी घर की स्त्रियों को भी पढ़ाया है?

साहित्यिक समाज की मानसिकता यह है कि स्त्री लेखन सीमित रहे-कोमल भावनाओं, सौंदर्य, प्रेम, विरह, या सॉफ़्ट पोर्न के एक छुपे हुए दायरे में। यदि कोई स्त्री जियोपॉलिटिक्स, धर्म, दर्शन, अध्यात्म, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, समाजशास्त्र, राजनीति, शिक्षा, अर्थशास्त्र या नीतियों पर गंभीरता से लिखने का साहस करती है, तो वह असहज कर देती है।

उनके मन में यह असहनीय बात घर कर जाती है कि 'यह क्षेत्र तो पुरुषों के हैं।' स्त्रियों को बस शब्दों का श्रृंगार करना चाहिए-गहरे सवाल नहीं उठाने चाहिए। विचारों की गहराई, विश्लेषण की धार और बौद्धिक निर्भीकता-ये सब अभी भी हिंदी साहित्यिक परिदृश्य में 'पुरुषों का गढ़' माने जाते हैं।

जो स्त्री न किसी पुरस्कार की आकांक्षा में झुकती है, न किसी मंच के लालच में अपने विचारों से समझौता करती है, न किसी प्रसिद्ध आलोचक की कृपा-दृष्टि की भूखी होती है, जो स्त्री अपने विचारों, मूल्यों और चरित्र के प्रति सजग और अडिग है-वह हिंदी साहित्य जगत के लिए अब भी एक खतरनाक उपस्थिति है।

ऐसी स्त्री का अपने खुद के विवेक की स्वामिनी होना, उसका स्वतंत्र होना-उन्हें डराता है, चिढ़ाता है, असहज कर देता है। वे उसे 'अहंकारी', 'असंवेदनशील', 'कट्टर' और 'अति-बुद्धिजीवी' जैसे तमगों से नवाज़ने लगते हैं, ताकि उसे हाशिए पर धकेला जा सके। लेकिन उनका सारा उपहास, सारी आलोचना उस स्त्री के लिए एक तुच्छ शोर मात्र है, जो जानती है कि उसका युद्ध बाहर के नहीं, बल्कि भीतर के अंधकार के विरुद्ध है।

यह विरोधाभास देखिए-जिन्होंने स्त्रियों को यौनिकता के नाम पर 'आधुनिकता' का पाठ पढ़ाया, वही अपने घर की स्त्रियों के लिए अब भी वही 'पवित्रता', 'मर्यादा', और 'परंपरा' की कसौटी लगाते हैं। उनके लिए 'बोल्डनेस' केवल बाहर की दुनिया की स्त्रियों के लिए है।

घर की औरतें अब भी पर्दे में रहनी चाहिए, चुप रहनी चाहिए, विनम्र रहनी चाहिए। जो स्त्रियाँ अपनी स्वतंत्रता को अश्लीलता में, अपनी आधुनिकता को आत्मवंचना में, और अपनी साहसिकता को पितृसत्तात्मक छद्म समर्थन में बेच आती हैं-वह असल में किसी क्रांति का हिस्सा नहीं बनतीं, बल्कि उस पितृसत्तात्मक साहित्यिक व्यवस्था की नई चेरी बन जाती हैं। कठोर सत्य यह है कि-'स्त्री की मुक्ति' भी आज एक ब्रांड बन चुकी है। ज

सिका सौदा होता है, मंचों पर प्रदर्शन होता है, पुरस्कारों में बाँटा जाता है। वाश्तव में स्वतंत्र चेतना वाली स्त्री का विद्रोह बहुत सधा हुआ और अदृश्य होता है। वह अश्लील भाषा में नहीं, नकारात्मकता में नहीं, अपमानजनक बोल्डनेस में नहीं-बल्कि विचार की गहराई में, मुद्दों के सटीक विश्लेषण में, और अपनी लेखनी की ईमानदारी में प्रकट होता है। वह प्रेम पर लिखती है, तो उसमें करुणा की जटिलता को समझाती है। वह राजनीति पर लिखती है, तो सत्ता के मंथन में जनता की पीड़ा का चित्र खींचती है। वह धर्म पर लिखती है, तो अंधविश्वास और असहिष्णुता के जाल को तोड़ती है। वह जानती है कि साहित्य का असली उद्देश्य सच्चाई का उद्घाटन है-न कि सत्ता, लालच और यौनिक बाज़ार के हाथों गिरवी बन जाना।

हिंदी साहित्य को अब यह स्वीकार करना होगा कि स्त्रियाँ केवल 'सजावट' या 'संवेदनशीलता' का प्रतीक नहीं हैं। वे अब सवाल भी पूछती हैं, विश्लेषण भी करती हैं, तोड़ती भी हैं और गढ़ती भी हैं। और सबसे महत्वपूर्ण-वे अब किसी के एजेंडे का मोहरा नहीं बनना चाहतीं। वे अपनी सोच की, अपने कलम की, अपने भविष्य की स्वयं निर्माता बन चुकी हैं।

यह बदलाव साहित्यिक समाज को जितनी जल्दी समझ आ जाए, उतना बेहतर होगा-वरना उनकी दुनिया में केवल कठपुतलियाँ नाचती रहेंगी, और स्वतंत्र चेतना वाली स्त्रियाँ इतिहास में अपने लिए नए राश्ते खुद बनाती रहेंगी। "

'जब एक स्त्री अपनी आवाज़ उठाती है, तो वह केवल अपनी बात नहीं करती, वह पूरे समाज की चुप्पियों को चुनौती देती है।'

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

घर से युवक खेत में सोने गया, सोते समय डंपर ने कुचला- मौत

गोरखपुर , एजेंसी। चिलुआताल इलाके के बैजनाथपुर में सोमवार देर रात करीब 12 बजे खेत में सोए युवक पर डंपर चढ़ गई। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान गीडा थाना क्षेत्र के भपसा गांव निवासी रमेश यादव (28) के रूप में हुई।

जानकारी के मुताबिक, बैजनाथपुर में खनन का काम चल रहा था। जहां रमेश की भी गाड़ी लगी थी। देर रात होने की वजह से रमेश को नींद लग गई और वहीं खेत में ही सो गया। बताया जा रहा है कि रमेश के पटीदार की भी डंपर खनन में लगी थी। जिससे कुचलकर रमेश की मौत हो गई। परिजनों ने थाने पर तहरीर देकर डंपर के विरुद्ध केस दर्ज कराया है।

चलती कार में अचानक लगी आग, धू-धूकर जली, पत्नी-बच्चों को बचाया

अलीगढ़ , एजेंसी। 28 अप्रैल की देर शाम ढसन्ना गांव के रजबहा के निकट चलती कार में आग लग गई। इससे कार धू-धूकर जल गई। कार सवार गांव बरकातपुर से सगाई समारोह में शामिल होकर अलीगढ़ शहर लौट रहे थे। गांव बरकातपुर निवास विनोद दीक्षित के बेटे गौरव दीक्षित की 27 अप्रैल को सगाई थी। इसमें शामिल होकर विनोद की बेटी वंदना, दामाद प्रवीण द्विवेदी, बच्चों शिवी व वाशु के साथ क्वार्सी स्थित अपने घर लौट रहे थे। उनकी कार गांव ढसन्ना के निकट रजबहा की पटरी पर पहुंची तभी कार के बोनट से धुंआ उठने के साथ तेज गंध आने लगी। इस पर कार खड़ी कर प्रवीण ने बोनट खोला तो आग की लपटें उठने लगीं। तत्काल उन्होंने पत्नी-बच्चों को कार से बाहर निकालकर दूर किया। साथ ही पास के पेट्रोल पंप पर दौड़कर पहुंचे। वहां से अग्निशमन यंत्र लाकर आग बुझाई। हालांकि कार जल चुकी थी।

प्रवेश परीक्षा में पटना से दो परीक्षार्थी पकड़े, हेडफोन के जरिये बाहर बैठे सॉल्वर बता रहे थे जवाब

अलीगढ़ , एजेंसी। एएमयू में कक्षा 11वीं की प्रवेश परीक्षा में पटना के आरपीएस रेजीडेंशियल स्कूल में बने परीक्षा केंद्र पर पकड़े गए दो अभ्यर्थी परीक्षा कक्ष के बाहर बैठे सॉल्वर की मदद से पेपर हल कर रहे थे। इन अभ्यर्थियों ने बेहद छोटे हेडफोन ब्लूटूथ के जरिए अपने मोबाइल फोन से कनेक्ट किया हुआ था।

बायोकेमिस्ट्री विभाग के मोहम्मद फुरकान खान ने बताया कि इन अभ्यर्थियों के हाव-भाव संदिग्ध लगे, जिसके बाद उनकी तलाशी ली गई। तलाशी में उनके पास से मोबाइल फोन और हेडफोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद हुए। इसे जब्त कर लिया गया है।

प्रॉक्टर प्रो. वसीम अली ने बताया कि पूरे प्रकरण को विश्वविद्यालय की परीक्षा कमेटी के सामने रखा जाएगा। वह अपनी रिपोर्ट कुलपति को सौंपेगी। कुलपति उस पर फैसला लेंगी। संभव है अभ्यर्थियों को कुछ वर्षों के लिए या हमेशा के लिए एएमयू की प्रवेश परीक्षा से डिबार कर दिया जाए।

पिता का इलाज कराने बिहार गई थी युवती, सामूहिक दुष्कर्म- एक आरोपी गिरफ्तार

कुशीनगर , एजेंसी। लकवाग्रस्त पिता का इलाज कराने गोपालगंज गई कुबेरस्थान थाना क्षेत्र की युवती से सासामुसा रेलवे स्टेशन पर सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सोमवार की भोर में दरिंदगी का विरोध करने पर आरोपियों ने युवती को पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस मामले में गोपालगंज पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया है, इनमें एक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता को पुलिस की सुरक्षा में गोपालगंज जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुशीनगर जिले के कुबेरस्थान थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती लकवाग्रस्त पिता का इलाज कराने रविवार को बिहार के गोपालगंज के श्यामपुर गई थी। पिता को लेकर घर आने के लिए वह सासामुसा रेलवे स्टेशन लौटी लेकिन ट्रेन छूट गई।

अंबेडकर के साथ अखिलेश के पोस्टर पर बीजेपी भड़की, लखनऊ समेत सभी जिलों में कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की तस्वीर के साथ बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की तस्वीर जोड़े जाने को लेकर उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने मुद्दा बना दिया. इस तस्वीर के सामने आने के अगले दिन बुधवार को हजरतगंज में अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष धरना प्रदर्शन किया.

पार्टी के दलित नेता इस प्रदर्शन में शामिल हुए. उनके अलावा कार्यकर्ता भी मौजूद रहे. यहां कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव के खिलाफ नारेबाजी की. उन्होंने इस पोस्टर को डॉक्टर अंबेडकर का अपमान बताया.

समाजवादी पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव का एक पोस्टर जारी किया. इसमें आधा चेहरा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का और आधा चेहरा अखिलेश यादव का था. भारतीय जनता पार्टी ने इसको लेकर नाराजगी जतायी. लखनऊ समेत पूरे उत्तर प्रदेश में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने इसे डॉक्टर अंबेडकर का अपमान बताते हुए धरना प्रदर्शन किया.

लखनऊ के हजरतगंज में सुबह करीब 11 बजे बीजेपी के कार्यकर्ता अंबेडकर प्रतिमा के सामने जमा हुए. यहां उनका नेतृत्व राज्यसभा सांसद पूर्व आईपीएस अधिकारी बृजलाल ने किया. राज्यसभा सदस्य बृजलाल ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने पोस्टर लगाया है. इसके माध्यम से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव जो संदेश देना चाहते हैं, उसकी हम लोग निंदा करते हैं. उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव खुद को बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के बराबर समझ रहे हैं, वो उनके पैरों की धूल भी नहीं हैं. इस हरकत के लिए उन्हें देश की जनता माफ नहीं करेगी.

विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा कि हम अंबेडकरवादी लोग बाबा साहब का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे. अखिलेश यादव का ये काम दलित विरोधी है. उन्होंने अपने शासनकाल में दलित कर्मचारियों के प्रमोशन में आरक्षण पर रोक लगाई. इससे लाखों दलित अधिकारियों और कर्मचारियों को डिमोशन का दंश झेलना पड़ा.

उन्होंने कहा कि दलित समाज अभी तक इसे भूला नहीं है. सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव दलितों को अपमानित करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं. बाबा साहब की आधी तस्वीर काटकर उसमें अपनी आधी तस्वीर लगाकर वे शायद दलित समाज को यह बताना चाहते हैं कि वे बाबा साहब के बराबर हैं. उनके इस काम से दलित समाज आहत है और ये बाबा साहब का अपमान है.

सोनभद्र के प्रदर्शन में पूर्व कैबिनेट मंत्री महेंद्र नाथ पांडे और खाद्य सुरक्षा मंत्री दयाशंकर मिश्र हुए शामिल- सोनभद्र में स्थित बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा के सामने हुए बीजेपी कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन में आयुष एवं खाद्य सुरक्षा मंत्री दयाशंकर मिश्र दयाल और पूर्व कैबिनेट मंत्री महेंद्र नाथ पांडे शामिल हुए.

पूर्व कैबिनेट मंत्री महेंद्र नाथ पांडे ने कहा कि बाबा साहब की फोटो के साथ अपनी फोटो जोड़कर अखिलेश यादव ने बाबा साहब अंबेडकर का अपमान किया है और खुद को उनसे बड़ा दिखाने का प्रयास किया है. अखिलेश यादव ने बाबा साहब के पोस्टर को विकृत किया है. इसके लिए उन्हें और उनकी पार्टी को देश से माफी मांगनी चाहिए।

डॉ. अंबेडकर की बराबरी कर अखिलेश यादव कर रहे राजनीतिक धोखाधड़ी, दलितों को छलने की कोशिश : भूपेंद्र सिंह चौधरी

सहारनपुर, एजेंसी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह बुधवार को सहारनपुर कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे. इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर न सिर्फ संविधान रचयिता डॉ. भीम राव अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया, बल्कि दलित समाज की अनदेखी का आरोप मढ़ा. उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव बाबा साहब की आधी तस्वीर काटकर उसकी जगह अपनी तस्वीर लगाकर, दलित समाज को बताना चाहते हैं कि वो बाबा साहब के बराबर हैं. बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहब का यह अपमान किसी भी सूरत में बर्दास्त नहीं किया जाएगा. सपा प्रमुख दलित समाज का सम्मान नहीं कर रहे, बल्कि अपमान में वोट बैंक तलाशने की कोशिश कर रहे हैं. डॉ भीम राव अंबेडकर ने शिक्षा, समानता और संवैधानिक मूल्यों के लिए संघर्ष किया. अखिलेश यादव

उनके नाम पर सिर्फ राजनीतिक सौदा करने का प्रयास कर रहे हैं. ऐसी तस्वीर लगाना अखिलेश यादव के अहंकार को प्रदर्शित करता है. यह देश के करोड़ों दलितों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है. अखिलेश को खुद पता नहीं कि बाबा साहब न किसी जाति के थे और न किसी पार्टी के थे. वे एक विचारधारा थे. खुद को उनके समक्ष प्रस्तुत करना, सीधे तौर पर देश के करोड़ो दलितों और उनके संघर्ष का अपमान है. बाबा साहब के बारे में अखिलेश को जानकारी नहीं- बीजेपी अध्यक्ष ने कहा कि अखिलेश यादव को पता नहीं कि बाबा साहब का पूरा जीवन समानता, अधिकारों की लड़ाई में बीता, जबकि अखिलेश यादव का सारा जीवन अपने और अपने पिता की कुर्सी को बचाने में बीत रहा है. वो परिवारवाद के सबसे उदाहरण हैं. सपा ने परिवारवाद के लिए क्या-क्या किया है, प्रदेश की जनता जानती है. कभी किसी दलित समाज के नेता को मुख्यमंत्री बनाना तो दूर पार्टी में कोई शीर्ष पद तक सपा ने नहीं दिया है. अखिलेश यादव ने अपने मुख्यमंत्री काल में डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर बने स्थानों से उनका नाम हटाने का काम किया. हमेशा दलित महापुरुषों को अपमानित करने का काम किया है. ये वहीं अखिलेश यादव हैं, जिनके मंत्री इनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान ने बाबा साहब को सार्वजनिक रूप से भू-माफिया बताकर उन्हें लज्जित करने का काम किया था.

युवक को भाभी की बहन से शादी की जिद पड़ी भारी, परिजनों ने पीट-पीटकर मार डाला

बागपत , एजेंसी। थाना बिनौली क्षेत्र के मुकीमपुर गांव से दिल दहला देने वाली वारदात की सूचना है. यहां एक युवक को भाभी की बहन से प्यार करना और शादी की जिद करना जानलेवा साबित हुआ. भाभी पक्ष के गुस्साए परिजनों ने युवक को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया. युवक का भाभी की चचेरी बहन से प्रेम-प्रसंग चल रहा था. दोनों इस रिश्ते को शादी के बंधन में बदलना चाहते थे.

बताया जा रहा है कि मुज़फ्फरनगर जिले के इटावा गांव निवासी अनिल के भाई की ससुराल मुकीमपुर गांव में है. अनिल का अपनी भाभी की चचेरी बहन से प्रेम-प्रसंग चल रहा था. दोनों के बीच पिछले कुछ समय से संबंध थे. अनिल इस रिश्ते को शादी के बंधन में बदलना चाहता था, लेकिन लड़की पक्ष के लोग तैयार नहीं थे. इसी सिलसिले में अनिल शनिवार देर रात अपने भाई की ससुराल मुकीमपुर पहुंचा था. जहां बातचीत के दौरान लड़की के परिजनों से अनिल की बातों को नजरअंदाज किया, लेकिन अनिल ने शादी के लिए जिद पकड़ ली. इस पर लड़की के घरवालों ने उसे जमकर फटकार लगाई, लेकिन वह जिद पर अड़ा रहा. यह देख कुछ परिजनों ने लाठी-डंडों से अनिल की बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी. पिटाई से अनिल चीखने चिल्लाने लगा. शोरगुल सुनकर गांव के अन्य लोग भाग कर वहां पहुंचे और बीच-बचाव करने के साथ पुलिस को सूचना दी.

अक्षय तृतीया पर मथुरा पैक; बांके बिहारी के दर्शन को लगी 3 किमी लंबी लाइन

मथुरा, एजेंसी। अक्षय तृतीया का पर्व ब्रज में हर्षोलास के साथ मनाया जा रहा है. दूर-दराज से लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन मथुरा वृंदावन बरसाना और गोकुल के मंदिरों में हो रहा है. वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में ठाकुर जी ने पीले वस्त्र धारण करते हुए भक्तों को दर्शन दिए. भगवान को सतुआ और केसर युक्त ठंडाई का भोग भी लगाया गया. जिला प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हुए हैं.

बांके बिहारी मंदिर में अक्षय तृतीया पर्व पर ठाकुर जी के चरणों के दर्शन श्रद्धालुओं को कराए गए पूरे शरीर पर चंदन का लेप और पैरों में सोने चांदी की पायल कमर में बगलबंदी और सिर पर मुकुट बांसुरी धारण करते हुए दर्शन करने का सौभाग्य श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ.

दुर्धरा से लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन सुबह से ही मथुरा वृंदावन के मंदिरों में हो रहा है. पर्व पर ठाकुर जी के लिए 111 किलो चंदन की लकड़ी घिस कर लेप बनाया गया. पूरे शरीर पर लेप लगाने से श्रद्धालु को गर्मी का एहसास नहीं होता है.

कहा जाता है कि वैशाख की तृतीया के दिन से गर्मी का प्रकोप बढ़ाना शुरू हो जाता है. इसलिए गर्मियों में ठाकुरजी के लिए तरल पदार्थ जैसे की

ठंडाई और सतुआ आम का जूस का भोग लगाया जाता है. अक्षय तृतीया पर्व पर ठाकुर जी के दर्शन करने से भक्तों की सभी मनोकामना पूर्ण हो जाती हैं. बांके बिहारी मंदिर में आज श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं. करीब 3 किलोमीटर लंबी लाइन श्रद्धालुओं की लगी हुई है. दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कोई असुविधा न हो उसके लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने सुनिश्चित व्यवस्थाएं की गई हैं. बांके बिहारी मंदिर जाने के लिए एकल मार्ग और वापस आने के लिए मार्ग सुनिश्चित किए गए हैं. गर्मी में तापमान अधिक होने के कारण जगह-जगह प्याऊ भी लगाए गए हैं. अक्षय तृतीया पर्व पर एक लाख से अधिक श्रद्धालु ठाकुर बांके बिहारी मंदिर दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं. पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया अक्षय तृतीया पर मंदिर में दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं का आवागमन हो रहा है. श्रद्धालुओं को अच्छी व्यवस्था मिले उसके लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं. सभी जगह पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है.

बाल विवाह के खिलाफ रंग ला रही अनीता की मुहिम, पति की सीख आई काम

मेरठ, एजेंसी। सामाजिक कार्यकर्ता अनीता राणा बाल विवाह जैसी कुप्रथा और बेमेल विवाह को रोकने के लिए किसी देवदूत से कम नहीं हैं. सामाजिक कुरीतियों को मिटाने के लिए समाज के सामने चट्टान की तरह खड़ी रहने वाला अनीता राणा अबतक सैकड़ों मासूमों की जिंदगी बचा चुकी हैं. मेरठ और बागपत में अनीता की मुहिम से सैकड़ों लोग जुड़े हैं.

अनीता राणा बताती हैं कि वह अपने जनहित फाउंडेशन के माध्यम से अब तक मेरठ और बागपत जिले में लगभग 150 से अधिक नाबालिगों की शादी रुकवा चुकी हैं. यह वह संख्या है, जिसमें शादी की सारी तैयारियां हो चुकी थी और बारात दुल्हन की दहलीज तक पहुंच गई थी. इसके अलावा 300 से ज्यादा परिवारों के नाबालिगों की शादी रुकवाई, रिश्ता तय कर चुके थे. ऐसे परिवारों से बातचीत के माध्यम से बाल विवाह की खामियां बताई गईं और उन्हें शादी कराने पर राजी किया गया.

अनीता बताती हैं कि 2030 तक देश पूरी तरह से बाल विवाह जैसे अभिशाप से मुक्त हो इसको लेकर सरकार भी दृढ़ संकल्पित है. वह बताती हैं कि अलग अलग धर्म गुरुओं के साथ भी बागपत और मेरठ में शिक्षण संस्थाओं, गांव की चौपालों पर कार्यक्रम होते हैं. आशा और आंगनबाड़ी बहनों का भी सहयोग लिया जाता है. स्कूलों के साथ ही मदरसों में भी वहां के उलेमा और अन्य जिम्मेदार लोगों के साथ बातचीत की जाती है. कई बार विरोध भी झेलना होता है तो ऐसी स्थिति में प्रशासन भी साथ देता है. ऐसी गलती करने वाले परिवारों को समझा कर जागरूक किया जाता है. अनीता बताती हैं कि कई बार बाल विवाह की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे तो स्थिति काफी असहज हो जाती था. बारात दरवाजे पर पहुंचने पर परिवार और समाज के लोग धमकाते थे. ऐसे में प्रशासन का सहारा लेकर किसी तरह मासूम बच्चों के बचाना पड़ा. हालांकि समाज का बड़ा तबका हमारे सपोर्ट में रहता था. अनीता राणा बताती हैं कि अब तक पांच लाख से ज्यादा परिवार के लोगों को उनकी संस्था ने घर घर पहुंचकर बाल विवाह के खिलाफ शपथ भी दिलाई है. नोबेल शांति पुरस्कार पा चुके कैलाश सत्यार्थी के द्वारा एक फोरम बच्चों को उनके अधिकार और सुरक्षा देने के उद्देश्य से बनाया हुआ है. वह भी उनके उस फोरम में अपनी संस्था को भी जोड़कर काम कर रही हैं.

लखनऊ पीजीआई में डायबिटीज की ओपीडी शुरू, मधुमेह से संबंधित सभी बीमारियों का होगा इलाज

लखनऊ, एजेंसी। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में बने प्रदेश के पहले एडवांस डायबिटीज सेंटर में ओपीडी शुरू हो गई है. अब एक ही छत के नीचे डायबिटीज और उससे संबंधित सभी बीमारियों का उपचार शुरू हो जाएगा. इंडोक्राइनोलॉजी विभाग के डॉक्टरों ने बुधवार से ही ओपीडी में मरीजों को देखना शुरू कर दिया है. यहां पर मधुमेह मरीजों की ओपीडी हफ्ते में पांच दिन चलेगी. जबकि नेत्र रोग, नेफ्रोलॉजी और एंडोक्राइन सर्जरी विभाग की ओपीडी अगले माह तक शुरू कर दी जाएगी. यही नहीं अब इस सेंटर के डॉक्टर शुगर जनित बीमारियों की रिसर्च भी करेंगे. सेंटर में जांच से लेकर ओटी तक की अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेंगी. निदेशक प्रो. आरके धीमन ने बताया कि अभी मरीजों की भर्ती पुरानी बिल्डिंग के वार्ड में की जा रही है. जल्द ही सेंटर में दूसरे विभाग की ओपीडी शुरू की जाएगी. डॉक्टरों की भर्ती प्रक्रिया पूरी होते ही सेंटर में मरीजों की भर्ती शुरू कर ऑपरेशन थियेटर और आईसीयू समेत सभी सेवाएं शुरू कर दी जाएंगी. करीब 70 करोड़ की लागत वाले सेंटर में 40 बेड पर शुगर जनित सभी रोगों का इलाज एक छत के नीचे मिलेगा. मरीजों के उपचार के साथ शोध का भी दायरा बढ़ेगा. सेंटर में ओपीडी से लेकर सामान्य वार्ड, आईसीयू, ऑपरेशन थियेटर व पैथोलॉजी की सुविधा होगी.

लखनऊ के छात्रों का दबदबा, 10वीं में समर्थ द्विवेदी सहित आठ छात्रों ने हासिल किए 99.75 प्रतिशत

लखनऊ, एजेंसी। काउंसिल फॉर इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन ने बुधवार को अपने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया. काउंसिल ने आईसीएसई बोर्ड के 10वीं और आईएससी बोर्ड के 12वीं के रिजल्ट जारी किए हैं. इस कड़ी में राजधानी के सिटी मांटेसरी स्कूल के वेदिका वत्स, तवेशा गर्ग, समर्थ द्विवेदी, प्रणव सूरी, आशीष शुक्ला, श्रेया वर्मा, गोरी लूथरा और आरुषि सिंह चौहान 99.75त्न लाकर आईएससी में अव्वल रहे. वहीं सीआईएसई (10वीं) के परीक्षा परिणाम में राजधानी के सिटी मांटेसरी स्कूल की छात्रा पलक राय ने 99.6 नंबर, आयुष कृष्ण ने 97.4 मार्क्स लाकर राजधानी का मान बढ़ाया है. सीआईएससीई बोर्ड की परीक्षाएं 13 फरवरी से शुरू हुई थीं, जिसमें 12वीं की परीक्षा 13 फरवरी से 5 अप्रैल तक और हाईस्कूल की परीक्षा 18 फरवरी से 27 मार्च तक आयोजित की गई थी. इस परीक्षा में राजधानी के 80 से अधिक स्कूलों के करीब 22000 से अधिक स्टूडेंट्स शामिल हुए थे.

काउंसिल ने लगातार दूसरे साल नहीं जारी किया मेरिट : सीआईएससीई ने लगातार दूसरे साल मेरिट नहीं जारी की है. ऐसे में हाईएस्ट नंबर लाने के बाद भी टॉपर्स छात्रों को मायूसी हाथ लगी है. सिटी मोंट्रियल स्कूल की मैनेजर गीता गांधी ने बताया कि काउंसिल की तरफ से दसवीं के एग्जाम में 33त्न और 12वीं के एग्जाम में 35त्न नंबर लाने पर छात्रों को पास माना जाता है. बताया कि जो स्टूडेंट्स अपने एग्जाम्स के नंबर से खुश नहीं हैं, वह किसी भी दो सब्जेक्ट में जुलाई में इंप्रूवमेंट एग्जाम दे सकते हैं. ऐसे सभी छात्रों को जो अपने परिणाम से संतुष्ट नहीं हैं, उन्हें आंसर-की सीट की रिवैल्युएशन के लिए आवेदन करने का मौका मिलेगा. उन्हें काउंसिल की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर पब्लिक सर्विसेज के मेन्यू पर क्लिक करके वैल्यूएशन में आवेदन करना होगा.

कानपुर के स्पर्श को मिले 99.8 प्रतिशत अंक : कानपुर के स्पर्श सक्सेना को 10वीं में 99.8 प्रतिशत अंक मिले हैं. स्पर्श के पसंदीदा क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी हैं. स्पर्श बताते हैं, आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मैच देखना बहुत अच्छा लगता है. कभी-कभार तो ऐसा भी हुआ, जब मैंने मैच देखते हुए पढ़ाई की. बुधवार को रिजल्ट आने के बाद शीलिंग हाउस स्कूल के छात्र और गीता नगर के रहने वाले स्पर्श सक्सेना के परिजनों और स्कूल प्रबंधन का दावा है कि यह कानपुर में सबसे अधिक अंक पाने वाले छात्र हैं.

स्पर्श बताते हैं, अंग्रेजी में मेरी पकड़ बहुत कमजोर थी. मगर, स्कूल के शिक्षकों ने मेरा हर कदम पर साथ दिया. जिस वजह से अंग्रेजी समेत गणित, विज्ञान और कंप्यूटर में 100 में से 100 अंक मिले. स्पर्श ने कहा कि हर छात्र को स्कूल की पढ़ाई के अलावा नियमित तौर पर दो से तीन घंटे जरूर पढ़ना चाहिए. इससे पाठ्यक्रम का पूरा अभ्यास हो जाता है. स्पर्श के पिता शोभित सक्सेना जहां सीएमओ कार्यालय में कार्यरत हैं, वहीं मां लवली सक्सेना भाजपा नेत्री हैं.

इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बनाना है करियर- स्पर्श ने कहा कि अब उसका पूरा फोकस केवल 12वीं की पढ़ाई पर है. इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ही अपना करियर बनाना है. कहते हैं, इंजीनियरिंग में बचपन से ही उसकी रुचि रही है. स्पर्श जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में वह हाथ आजमा चुके हैं. मौका मिलते ही क्रिकेट खेलना खूब भाता है. बिना कोचिंग के ही स्पर्श ने 99.8 प्रतिशत (बेस्ट फाइव) अंक हासिल किए. स्पर्श की इस सफलता पर स्कूल की प्रधानाचार्य वनिता मेहरोत्रा ने स्पर्श को बधाई दी।

वैभव सूर्यवंशी और आयुष महात्रे आईपीएल 2025 के बाद जाएंगे इंग्लैंड दौरे पर

टेस्ट और वनडे सीरीज में खेलने का मिलेगा मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी और 17 साल के आयुष महात्रे ने अब तक काफी प्रभावित किया है। वैभव राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं जबकि वैभव चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं। ये दोनों खिलाड़ी अभी वयस्क नहीं हैं, लेकिन उन्होंने साबित कर दिया है कि प्रतिभा को मौका मिले तब क्या कुछ हो सकता है। दोनों को भारतीय क्रिकेट के भविष्य के रूप में देखा जा रहा है।

इंग्लैंड दौरे पर जाएंगे वैभव-आयुष

वैभव ने तो गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में 35 गेंदों पर शतक लगाकर दुनिया की सबसे बेहतरीन टी20 लीग के मंच पर तूफान मचा दिया तो वहीं आयुष ने भी पिछले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की है। आयुष को सीएसके टीम में चोटिल नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की जगह टीम में जगह दी गई थी। आईपीएल 2025 में इन दोनों खिलाड़ियों का एक्शन क्रिकेट फैंस देख रहे हैं, लेकिन इसके बाद ये दोनों इंग्लैंड दौरे पर भारतीय अंडर-19 टीम के लिए खेलेंगे। भारतीय अंडर-19 टीम जून में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी जबकि सीनियर टीम 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए वहां जाएगी।

इंग्लैंड में खेली जाएगी टेस्ट और वनडे सीरीज

रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय जूनियर टीम इंग्लैंड अंडर-19 टीम के खिलाफ पांच वनडे और दो टेस्ट मैच खेलेगी और टीम जून के अंत में इंग्लैंड पहुंचेगी। सीनियर और अंडर-19 पुरुष टीमों के साथ-साथ भारतीय महिला क्रिकेट टीम और मिश्रित दिव्यांग टीम भी उस समय इंग्लैंड में होगी। भारतीय अंडर-19 टीम पिछले साल अंडर-19 एशिया कप के बाद पहल बार विदेशी दौरे पर जाएगी। अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में भारत को हार मिली थी। वैभव सूर्यवंशी और आयुष महात्रे दोनों ही अंडर-19 एशिया कप के लिए भारतीय अंडर-19 टीम का हिस्सा थे और पारी की शुरुआत करते थे। आयुष ने उस टूर्नामेंट के जरिए भारतीय अंडर-19 टीम के लिए डेब्यू किया था, हालांकि उन्होंने अब तक लाल गेंद के प्रारूप में नहीं खेला है। वहीं वैभव ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में डेब्यू किया था और जूनियर नेशनल टीम के लिए दो टेस्ट और तीन वनडे खेले हैं। इंग्लैंड के दौरे से भारतीय अंडर-19 टीम को 2026 अंडर-19 विश्व कप की तैयारी करने का मौका मिलेगा जो अगले साल की शुरुआत में जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा।

इटालियन ओपन: लगातार तीन मैच हारने के बाद

जोकोविच ने इटालियन ओपन से नाम लिया वापस

रोम, एजेंसी। जोकोविच का इस सत्र में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है। उन्हें पिछले तीन टूर्नामेंट मियामी ओपन, मोंटे कार्लो मास्टर्स और मैड्रिड ओपन में हार का सामना करना पड़ा था। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने लगातार तीन मैच हारने के बाद बड़ा फैसला लिया है। अपने 100वें खिताब की तलाश में जुटे जोकोविच ने इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है।

जोकोविच का यह फैसला वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन की तैयारी को देखते हुए महत्वपूर्ण माना जा रहा है जहां वह रिकॉर्ड 25वीं ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीतने की कोशिश करेंगे। रोम में अगले महीने क्ले कोर्ट पर यह टूर्नामेंट खेला जाना है। इटालियन ओपन टूर्नामेंट के आयोजकों ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी कि जोकोविच इस साल प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उन्होंने लिखा, अगले साल मिलते हैं, नोल। मालूम हो कि जोकोविच को नोल नाम से भी बुलाया जाता है।

इस सीजन संघर्ष कर रहे हैं जोकोविच

सर्बिया का 37 वर्षीय यह स्टार टेनिस खिलाड़ी इस सीजन संघर्ष कर रहा है। जोकोविच का इस सत्र में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है।

उन्हें पिछले तीन टूर्नामेंट मियामी ओपन, मोंटे कार्लो मास्टर्स और मैड्रिड ओपन में हार का सामना करना पड़ा था। इस सीजन उनके जीत-हार का रिकॉर्ड 12-6 है। स्पेन में मातेओ आर्नाल्डी से हारने के बाद जोकोविच ने कहा था, यह 20 से ज्यादा वर्षों के पेशेवर टेनिस के अनुभव से बिलकुल अलग है। कोर्ट पर इस तरह की संवेदनाओं का सामना करना मेरे लिए मानसिक रूप से एक चुनौती है, अब नियमित रूप से टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो रहा हूं।

फ्रेंच ओपन पर नजरें

जोकोविच लंबे समय तक एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर रहे हैं, लेकिन वह फिलहाल पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में कार्लोस अल्कारेज को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। जोकोविच लगातार यह कहते आए हैं कि वह बड़े टूर्नामेंटों में जीत दर्ज करना चाहते हैं और अगला बड़ा टूर्नामेंट पेरिस में 25 मई से शुरू होगा। जोकोविच घुटने में चोट के कारण पिछले साल रोलां गैरों में हिस्सा नहीं ले सके थे क्योंकि उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। जोकोविच इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी अपना अभियान चोट के कारण जारी नहीं रख सके थे।

आईपीएल पर सट्टेबाजी का साया 8.5 लाख करोड़ दांव पर, टूट रहे परिवार

नई दिल्ली, एजेंसी। जैसे-जैसे आईपीएल का जुनून देश को अपनी चपेट में ले रहा है, मैदान के बाहर एक खतरनाक ट्रेंड उभर रहा है। भारत में सट्टेबाजी ने इस साल 8.5 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर को छू लिया है। टूटी जिंदगियां, बिखरे परिवार और आर्थिक बर्बादी जैसे घटनाक्रम स्टेडियम की तालियों और फैंटेसी लीग के शोर के पीछे दब रहे हैं। हाल की खबरें दिल दहलाने वाली हैं। कर्नाटक में एक व्यक्ति ने सट्टेबाजी में 1 करोड़ रुपये गंवाए, जिसके बाद उनकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली। मैसूर में कई परिवार इस जाल में फंसकर तबाह हो चुके हैं। खेल के प्रति जुनून और सट्टेबाजी का नशा अब महज अटकलें नहीं, बल्कि एक बढ़ती महामारी बन चुका है। इसके खिलाफ जागरूकता की एक नई लहर उठ रही है। एंजल वन की पहल फाइनवन.क्लब पर 24,000 से अधिक लोग क्विट बैटिंग का संकल्प ले चुके हैं, जो खासतौर पर जेन जैड को वित्तीय समझदारी की राह दिखा रहा है। यह अभियान सिर्फ एक कैंपेन नहीं, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता की लड़ाई में एक समुदाय का निर्माण है। सट्टेबाजी को भले ही आकर्षक दिखाया जाए, लेकिन इसके परिणाम बहुत बुरे होते हैं। इस आईपीएल सीजन इससे दूर रहना ही शायद असली जीत होगी।

आईपीएल में फिर बवाल

मैच खत्म होते ही कुलदीप यादव ने रिंकू सिंह को मारे कई चांटे

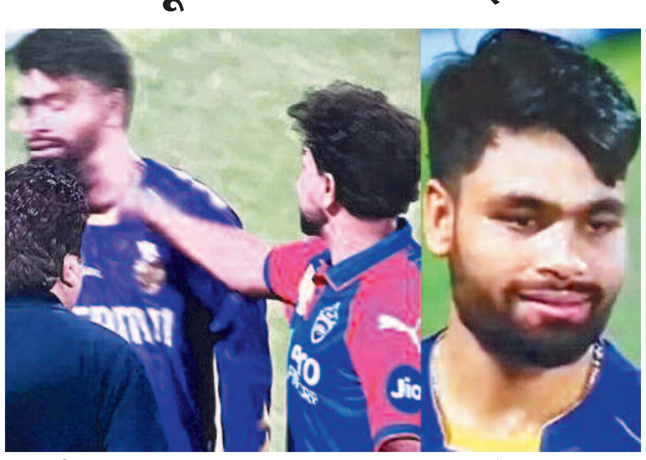

नई दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार को आईपीएल 2025 के 48वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 14 रनों से हराया. अरुण जेटली स्टेडियम में हुए इस मैच के बाद जब प्लेयर्स आपस में बातचीत कर रहे थे, उस समय का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है. वीडियो में कुलदीप यादव रिंकू सिंह को थप्पड़ मारते हुए नजर आ रहे हैं, जिसके बाद रिंकू गुस्से में भी दिख रहे हैं.

कुलदीप यादव दिल्ली कैपिटल्स में जबकि रिंकू सिंह कोलकाता नाइट राइडर्स टीम का हिस्सा हैं. वीडियो मैच के बाद का है, इसमें दोनों टीमों के प्लेयर्स आपस में बात कर रहे हैं जैसा हर मैच के बाद खिलाड़ी करते हैं. तभी कुलदीप यादव किसी बात पर रिंकू सिंह को थप्पड़ मारते हैं, और कुछ बोलते हैं. रिंकू बचते हुए हंसते हैं लेकिन फिर शायद उनकी बात सुनकर चुप हो जाते हैं. एक बार फिर कुलदीप ऐसा करते हैं तो रिंकू सिंह का चेहरा गुस्से में लाल ही हो जाता है. वह उन्हें घूरते हैं.

सोशल मीडिया पर ये वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें तरह तरह के रिएक्शन आ रहे हैं. लोग हैरान हैं कि आखिर किस बात पर ऐसा हुआ. एक यूजर ने बीसीसीआई, दिल्ली कैपिटल्स और केकेआर को टैग करते हुए लिखा कि देखो क्या मामला है.

तो एक अन्य यूजर ने लिखा, जैसे लग रहा है कि बुरा मान गया. एक दूसरे यूजर ने लिखा, कुलदीप का व्यवहार बहुत बुरा. एक यूजर ने लिखा कि, भाई सीरियस लग रहा है, पूरी वीडियो नहीं है क्या लास्ट में शायद रिंकू ने गाली भी दी थी. तो इसके जवाब में जिस हैंडल से वीडियो शेयर किया गया उसने जवाब दिया, नहीं, इसके बाद दोनों इंटरव्यू के लिए चले गए थे.

कोलकाता ने प्लेऑफ की उम्मीदों को रखा जिंदा

कोलकाता नाइट राइडर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 204 रन बनाए थे. दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं हुई थी लेकिन एक समय पर टीम जीत के करीब पहुंच गई थी, जब फाफ डुप्लेसिस सेट हो गए थे. उन्होंने 45 गेंदों में 2 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 62 रन बनाए. अक्षर पटेल ने भी 23 गेंदों में 43 रनों की शानदार पारी खेली. विपराज निगम ने अंत तक संघर्ष किया, उन्होंने 19 गेंदों में 38 रन बनाए लेकिन टीम लक्ष्य से 15 रन दूर रह गई.

केकेआर जीत के साथ प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है, हालांकि इस मैच के बाद अंक तालिका में टीमों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ. दिल्ली कैपिटल्स 12 अंकों के साथ चौथे और कोलकाता 9 अंकों के साथ 7वें स्थान पर है.

वर्ल्ड कपः निशानेबाजी विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल मनु भाकर और कुसाले, म्यूनिख में बिखेरेंगे चमक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने टीम की घोषणा की, जिसमें भाकर दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में जगह बनाने वाली एकमात्र सदस्य हैं। पेरिस ओलंपिक के सितारे मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले को एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन पलक के साथ आठ जून से शुरू होने वाले आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व कप के म्यूनिख चरण के लिए 23 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने टीम की घोषणा की, जिसमें भाकर दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में जगह बनाने वाली एकमात्र सदस्य हैं। मालूम हो कि कुसाले और मनु ने पिछले साल ओलंपिक में पदक जीते थे।

संदीप सिंह की हुई वापसी

राष्ट्रीय टीम में पुरुष एयर राइफल में संदीप सिंह की वापसी हुई है। कुसाले और संदीप पेरिस खेलों में भाग लेने के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धा करते दिखेंगे। भारतीय राइफल और पिस्टल टीम हाल ही में अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो-चरण वाले संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप से लौटी है। टीम ने इसमें कुल छह स्वर्ण सहित 15 पदक जीते थे। भारतीय टीम अर्जेंटीना में दूसरे जबकि पेरू में तीसरे स्थान पर थी।

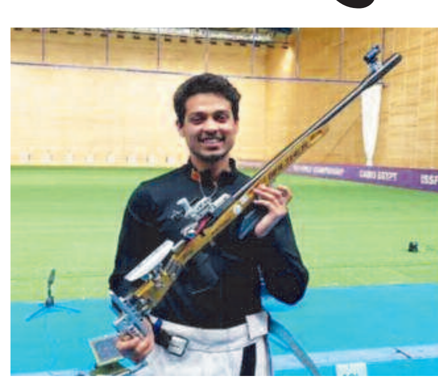

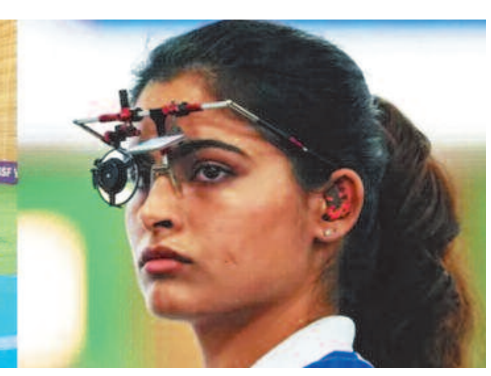

उस टीम के कुल 13 सदस्य म्यूनिख जाने वाली टीम में भी हैं। इसमें महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) और 25 मीटर पिस्टल प्रतियोगिताओं में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

तीन नए खिलाड़ियों को मिला मौका

म्यूनिख के लिए चुनी गई टीम में तीन नए खिलाड़ी भी होंगे। महाराष्ट्र की राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू को घरेलू सर्किट में अपने शानदार प्रदर्शन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी रखने का मौका दिया गया है। पुरुष वर्ग में एयर पिस्टल में दो नए निशानेबाजों को मौका दिया गया है। इसमें हाल ही में कुमार सुरेंद्र सिंह स्मारक टूर्नामेंट में मिश्रित टीम का खिताब जीतने वाली जोड़ी का हिस्सा रहे हरियाणा के आदित्य मालरा और सेना के निशानेबाज निशांत रावत का नाम शामिल हैं। रुद्राक्ष पाटिल और ऐश्वर्या तोमर ने स्वेच्छा से टीम से नाम वापस ले लिया है।

आईपीएल इतिहास में कोई आज तक नहीं कर सका ऐसा

सुनील नरेन ने की बड़े विश्व रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के लिए खेल रहे सुनील नरेन टी20 क्रिकेट पुरुष में इतिहास रचने की दहलीज पर हैं। नरेन इस सीजन में अगर एक और विकेट लेते हैं तो वह पुरुष टी-20 क्रिकेट में एक टीम के लिए खेलते हुए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। सुनील ने समित पटेल के 208 विकेट की बराबरी कर ली है। समित ने नॉटिंघमशायर के लिए टी20 क्रिकेट खेलते हुए 208 विकेट चटकाए हैं। सुनील नरेन भी केकेआर के लिए खेलते हुए 208 विकेट पूरे कर चुके हैं।

तीसरे नंबर पर क्रिस वुड हैं जो हैम्पशायर के लिए खेलते हुए तीसरे स्थान पर हैं। इस लिस्ट में चौथे नंबर पर लसिथ मलिंगा हैं, जिन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए 195 विकेट लिए हैं। सुनील नरेन ने आईपीएल के इतिहास में 190 विकेट लिए हैं। इसके अलावा उन्होंने केकेआर के लिए चैंपियंस लीग टी20 भी खेला है। आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स और केकेआर के बीच 48वां मैच में सुनील नरेन ने एक बार फिर बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। सुनील ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के सामने शानदार बल्लेबाजी का भी प्रदर्शन किया और 16 गेंदों पर 27 रन बनाए। नरेन के ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर केकेआर ने दिल्ली कैपिटल्स को महत्वपूर्ण मुकाबले में हराया। केकेआर के बल्लेबाजों ने शानदार स्ट्राइक रेट से ताबड़तोड़ पारियां खेलकर बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर 204/9 का स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स के लिए उपकप्तान फाफ डु प्लेसिस (62) और कप्तान अक्षर पटेल ने (43) रन की पारी खेली। दोनों के बीच 76 रन की साझेदारी हुई। दिल्ली क मैच में बनी हुई थी। दोनों बल्लेबाजों की ओर से शानदार शॉट्स खेले जा रहे थे। इसी बीच नरेन ने उपकप्तान फाफ डु प्लेसिस और कप्तान अक्षर पटेल का विकेट लेकर डीसी की कमर तोड़ दी। इस बीच क्रीज पर आए ट्रिस्टन स्टब्स अभी कुछ समझ पाते कि नरेन की गेंद पर बोल्ड हो गए।

देखते ही देखते डीसी की बल्लेबाजी ताश के पत्ते की तरह ढह गई। नरेन ने इस मैच से पहले अपने नाम सात विकेट किए थे। लेकिन, डीसी के सामने एक महत्वपूर्ण मुकाबले में 3 विकेट लेकर उन्होंने लंबी छलांग लगाई है। सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में अब वह 36वें स्थान से उठकर 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

तेंदुए से हुआ सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी का सामना

नई दिल्ली, एजेंसी। सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी का तेंदुए से सामना हुआ है. ऐसा जयपुर में हुआ. दरअसल, मुंबई इंडियंस की टीम अपने अगले आईपीएल मैच को लेकर जयपुर में है, जहां उसे 1 मई को राजस्थान रॉयल्स की चुनौती का सामना करना है. मगर उस मुकाबले से सूर्यकुमार यादव, पत्नी के साथ घूमने निकले और इसी दौरान उनका सामना तेंदुए से हुआ. तेंदुए के साथ सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी की मुलाकात का वीडियो भी सामने आ गया है, जो वाकई रोमांचित करता है. सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी को घूमते हुए तेंदुआ बीच सड़क पर नहीं मिला. बल्कि, तेंदए के साथ इन दोनों का एनकाउंडर तब हुआ जब ये उसके इलाके में यानी कि झलाना लेपर्ड सफारी घूमने पहुंचे. उन्होंने वहां तेंदुए का जबरदस्त मूवमेंट देखा. उन्होंने उसे पानी पीते हुए सूट किया. उसकी चाल को फिल्माया. उसे आराम करते हुए भी सूट किया. और, वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया.

सूर्यकुमार ने खूब किया ये मुश्किल काम

किसी भी जंगली जानवर को इतने करीब से देखना, उसे कैमरे में कैद करना, मुश्किल भरा काम है. इस काम में खतरा है. क्योंकि कई बार जंगली जानवर ऐसा करने से चिढ़कर हमला बोल देते है.